▪ पौष कृष्णा - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 150 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 25-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद बनाते हैं : रोहित

6 पार्कर ने रचा इतिहास, सूर्य के सबसे नजदीक पहुंचने वाला बना पहला स्पेसक्राफ्ट

7 स्पाई यूनिवर्स में ज़बरदस्त और सशक्त परिवर्तन लाने के लिए तैयार है कियारा आडवाणी

फर्स्ट टेक

तमिलनाडु के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने क्रिसमस पर शुभकामनाएं दीं

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और कई अन्य नेताओं ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर मंगलवार को राज्य में ईसाई समुदाय को शुभकामनाएं दीं। रवि ने अपने संदेश में कहा, ''प्रभु ईसा मसीह के प्रेम, निस्वार्थ सेवा, करुणा और क्षमा के आदर्श हमारे जीवन में शांति, समृद्धि और खुशी लाएं तथा एक सामंजस्यपूर्ण और करुणामय समाज के निर्माण के हमारे संकल्प को मजबूत करें।'' राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, ''क्रिसमस के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' ईसाइयों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने संदेश में कहा कि यरुशलम की तीर्थयात्रा के लिए 60,000 रुपए की प्रत्यक्ष सब्सिडी प्रदान की गई, आठ प्राचीन चर्च को बहाल करने के लिए धन, राज्य में कार्यरत कई ईसाई शैक्षणिक संस्थानों को अल्पसंख्यक का दर्जा जारी करने का प्रावधान किया गया। स्टालिन ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना जारी रखेगी कि सभी धर्मों के लोग सद्भाव और समान अधिकारों के साथ रहें।

अवैध रूप से रह रहे 10 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। नवी मुंबई पुलिस ने बिना दस्तावेज के अवैध रूप से देश में रहने के आरोप में आठ महिलाओं और दो पुरुषों समेत बांग्लादेश के दस नागरिकों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अपराध शाखा की मानव तस्करी रोधी इकाई द्वारा सप्ताहांत में वाशी और खारघर इलाकों में की गई छापेमारी के बाद यह कार्रवाई सामने आई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बांग्लादेशी पुरुष आमतौर पर मजदूर जबकि महिलाएं घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी कार्यक्रम: भारत बनाम पाकिस्तान मैच 23 फरवरी को दुबई में

दुबई/भाषा। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी लीग मैच दुबई में खेलेगा जिसमें 23 फरवरी को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। भारत अगर क्वालीफाई करता है तो सेमीफाइनल और फाइनल सहित अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। आईसीसी आयोजनों में जैसा कि होता आया है, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इस ग्रुप में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश भी हैं।

सूर्यास्त	सूर्योदय
23-12-2024	24-12-2024
5:49 बजे	6:28 बजे

BSE	NSE
78,540.17	23,753.45
(+498.58)	(+165.95)

सोना	चांदी
8,014 रु.	100,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचार का बाजार

चीनी उत्पादों की अब है,
घर-घर में इतनी भरमार।
कैसे बहिष्कार हो इनका,
जब वैश्विक सारा बाजार।
यदि होता यह संभव तो,
आयात बंद करती सरकार।
इस विचार के पीछे भी,
क्या छुपा हुआ कोई व्यापार।।

पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत है अटल जी का जीवन और विचारधारा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन और विचारधारा पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यहां के डी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित 'अटल युवा महाकुंभ' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वाजपेयी के व्यक्तित्व और उनके साथ जुड़ी स्मृतियों को साझा किया।

सिंह ने इस समारोह की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ की। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन और विचारधारा आज भी प्रेरणा के स्रोत हैं।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनकी कार्यशैली और निर्णयों की पूरी दुनिया कायल थी। लखनऊ अटल जी के दिल में बसता था और यहां के लोग उन्हें उतनी ही गहराई से जानते और समझते थे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन के अनेक प्रसंगों को याद करते हुए उनकी हाजिर जवाबी और सहजता का जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान दौरे के दौरान वाजपेयी के चर्चित जवाब को याद करते हुए कहा, एक महिला पत्रकार ने जब उनसे कहा कि मैं आपसे शादी करना चाहती हूं, बशर्ते आप मुझे मुंह दिखाई में कश्मीर दें, तो अटल जी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैं तैयार हूं, अगर आप दहेज में पूरा पाकिस्तान दें।

सिंह ने कहा ''इस जवाब ने उनकी चतुराई और सहजता को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने वाजपेयी की महानता का स्मरण करते हुए प्रदेश के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की प्रशंसा की।

रक्षा मंत्री ने वाजपेयी के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा, मुझे उनके साथ एक अभिभावक का स्नेह और मंत्रिमंडल में सहकर्मी के रूप में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनकी सरकार जब एक वोट से गिरी, तब उनके ऐतिहासिक भाषण ने लोकतंत्र और देशप्रेम की नई परिभाषा गढ़ी।

नागरिक अधिकारों के रक्षक बन रहे हैं नए आपराधिक कानून : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - नागरिक अधिकारों के रक्षक और 'न्याय की सुगमता' का आधार बन रहे हैं।

उत्तराखंड में तीन आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर यहां एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नये कानूनों को यथाशीघ्र शत-प्रतिशत लागू करने को कहा।

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने क्रमशः औपनिवेशिक काल के भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लिया। नए कानून एक जुलाई को लागू हुए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में चर्चा के दौरान शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीनों नए आपराधिक कानून नागरिक अधिकारों के रक्षक और 'न्याय की सुगमता' का आधार बन रहे हैं।

शाह ने कहा कि नए कानून पीड़ित और नागरिक केंद्रित हैं और इन्हें इसी भावना के साथ शीघ्रता से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार को नये कानूनों के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रौद्योगिकी एवं अन्य क्षेत्रों में खामियों को दूर करने के प्रयास करने चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार को उन क्षेत्रों के सभी पुलिस थानों और कारागारों में नए कानूनों के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन को प्राथमिकता देनी चाहिए जहां अधिक प्राथमिकी दर्ज होती हैं।

बयान में कहा गया कि बैठक में उत्तराखंड में पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देते हुए शाह ने कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले में एक से अधिक फोरेंसिक मोबाइल वैन उपलब्ध होनी चाहिए। शाह ने धामी को तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति की हर 15 दिन में समीक्षा करने तथा मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ सप्ताह में एक बार समीक्षा करने को कहा।

थियेटर भगदड़ मामले में पुलिस ने अल्लू अर्जुन से तीन घंटे पूछताछ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना पुलिस ने मंगलवार को तेलुगु फिल्मों के मशहूर अभिनेता अल्लू अर्जुन से सवाल किया कि क्या उन्हें पता था कि प्राधिकारियों ने उन्हें उस थिएटर में जाने की अनुमति नहीं दी थी जहां फिल्म 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग हुई थी और क्या उन्हें 4 दिसंबर को प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ में एक महिला की दुखद मौत के बारे में पता है।

अर्जुन अपने पिता अल्लू अरविंद और वकीलों के साथ पूर्वाह्न करीब 11 बजे चिक्कड़पल्ली पुलिस थाने पहुंचे। अभिनेता से सेंट्रल जोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अक्षांश यादव के नेतृत्व में पुलिस के एक दल ने पूछताछ की। अभिनेता अपराह्न दो बजकर 45 मिनट पर पुलिस थाने से निकल गए।

सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान अभिनेता से घटनाक्रम और उनकी निजी सुरक्षा के बारे में भी पूछा गया। पुलिस ने आरोप लगाया है कि बाउंसरों ने कथित तौर पर उनके प्रशंसकों को धक्का दिया, जिसके कारण भगदड़ मची।

अल्लू अर्जुन के वकील अशोक रेड्डी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''अभिनेता ने पुलिस के साथ पूरा सहयोग किया। अगर जरूरत पड़ी तो वे उन्हें फिर से बुलाएंगे। वे (पुलिस) उनसे पूछताछ करना चाहते थे और अभिनेता ने सहयोग किया। पुलिस ने उनके साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया।'' घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पूछताछ अल्लू अर्जुन के थिएटर में प्रवेश, बाहर निकलने और अभिनेता के पास भीड़ को नियंत्रित करने में बाउंसरों की भूमिका के इर्द-गिर्द केंद्रित थी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पुलिस ने मामले के संबंध में अल्लू अर्जुन का बयान दर्ज किया है।''

देश फिलहाल गृह युद्ध झेलने की स्थिति में नहीं है : स्वामी जितेंद्रानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। साधु संतों के संगठन 'अखिल भारतीय संत समिति' के राष्ट्रीय महामंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद पर दिए गए बयान के बचाव में मंगलवार को कहा कि देश विकास की राह पर अग्रसर है और यह फिलहाल गृह युद्ध झेलने की स्थिति में नहीं है।

संघ प्रमुख भागवत ने हाल में एक कार्यक्रम में कहा था कि कोई भी व्यक्ति मंदिर-मस्जिद मुद्दा उठाकर हिंदुओं का नेता नहीं बन जाएगा।

स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, वर्ष 1984 में देश के तत्कालीन शीर्ष संतों और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मिल बैठकर अयोध्या, मथुरा और काशी में मंदिर का संकल्प लिया था। यह संकल्प तब पूरा माना जाता, जब सर्वसम्मति से अयोध्या का निर्णय होता। लेकिन अयोध्या मुद्दा उच्चतम न्यायालय के रास्ते से हल हुआ और मुसलमानों ने कोई दरियादिली नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, सर संघचालक विश्व के सबसे बड़े हिंदू संगठन के मुखिया हैं। सनातन हिंदू धर्म में कई छोटे-बड़े संगठन काम करते हैं। भागवत जी के वक्तव्य को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। धर्म और राष्ट्र के प्रश्न पर क्या हम और एक गृह युद्ध झेलने की स्थिति में हैं। क्या संविधान के दायरे में ये विषय हल नहीं हो सकते।

स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा, जब उच्चतम न्यायालय पूजास्थल अधिनियम के मुद्दे पर सुनवाई शुरू कर चुका है, वक्फ अधिनियम के मुद्दे पर जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) विचार कर रहा है, तो ऐसे में हमें इंतजार करना चाहिए। उन्होंने संभल में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा, हमें परिस्थितियों को समझना होगा और यही बात सर संघचालक ने कही है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार पूज्य संत रामानंदाचार्य रामभद्राचार्य को भी है। जिस प्रकार सर संघचालक ने अपनी बात रखी, उसी प्रकार रामभद्राचार्य जी ने अपनी बात रखी। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा, महाकुंभ का आयोजन होने वाला है, सब मिलेंगे... बैठेंगे विचार करेंगे और स्पष्ट सहमति का वातावरण बनाएंगे और आगे बढ़ेंगे। इस बात से देश में कोई सहमत नहीं होगा कि हम देश को दंगे की आग में झोंक दें। अभी देश विकास की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। यह संत समिति का स्पष्ट मत है। उन्होंने कहा, संघ प्रमुख के विचार पर मंथन किया जाना चाहिए।

मणिपुर, केरल, बिहार को मिले नए राज्यपाल

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मंगलवार को की गई राज्यपालों की नियुक्ति के तहत पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का, पूर्व सेना प्रमुख विजय कुमार सिंह को मिजोरम का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, खान के स्थान पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में कहा कि आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। बयान में कहा गया है कि मिजोरम के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति को दास के स्थान पर ओडिशा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। बयान में कहा गया है कि ये नियुक्तियां उस तारीख से प्रभावी होंगी, जिस दिन वे अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे।

कनाडा, पनामा नहर पर नजरें गड़ाने के बाद

ग्रीनलैंड को खरीदने का ट्रंप का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेस्ट पाम बीच/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए डोनाल्ड ट्रंप ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड खरीदने के अपने आह्वान को दोहराया है। अपने पहले कार्यकाल में भी उन्होंने यह आह्वान किया था लेकिन सफलता नहीं मिली थी।

इसके साथ उन मित्र देशों की सूची में डेनमार्क भी शामिल हो गया है, जिनके साथ ट्रंप 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करने से पहले ही टकराव का रुख अख्तियार कर रहे हैं।

रविवार को डेनमार्क में अपने राजदूत के नाम की घोषणा करते हुए ट्रंप ने लिखा, पूरी दुनिया में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वतंत्रता के उद्देश्य से, अमेरिका को लगता है कि ग्रीनलैंड का स्वामित्व और नियंत्रण एक परम आवश्यकता है।

ट्रंप ने फिर से ग्रीनलैंड पर योजना बनाई है। इससे पहले उन्होंने सप्ताहांत में सुझाव दिया था कि यदि अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाले पनामा जलमार्ग का उपयोग करने के लिए आवश्यक बढ़ती पोत परिवहन लागत को कम करने के लिए कुछ नहीं किया जाता है, तो उनका देश पनामा नहर पर फिर से नियंत्रण कर सकता है।

वह कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को 'ग्रेट स्टेट ऑफ कनाडा' का 'गवर्नर' बनाने का सुझाव भी दे रहे हैं।

सौराष्ट्र एक्सप्रेस सूरत के पास पटरी से उतरी, कोई घायल नहीं

मुंबई/भाषा। दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस गुजरात के सूरत से 27 किलोमीटर दूर कीम स्टेशन पर मंगलवार दोपहर पटरी से उतर गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पश्चिम रेलवे के प्रमुख जनसम्पर्क अधिकारी (पीआरओ) विनीत अभिषेक ने बताया कि इंजन के बगल वाले एक गैर-यात्री कोच के चार पहिये अपाह्न 3.32 बजे पटरी से उतर गए, जब ट्रेन (संख्या 19015) पोरबंदर जाने के लिए स्टेशन से निकल रही थी। उन्होंने कहा, किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट या नुकसान नहीं पहुंचा है। पीआरओ ने कहा कि अतिरिक्त लूप लाइन उपलब्ध होने के कारण रेल मार्ग पर रेल यातायात प्रभावित नहीं हुआ।

पुंछ में सैन्य वाहन के खाई में गिरने से पांच जवानों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंढर/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार शाम सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर 300 फुट गहरी खाई में गिर गया, जिससे पांच सैनिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है, लेकिन ''ऐसा प्रतीत होता है कि चालक ने सड़क के मोड़ पर वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।'' यह दुर्घटना घरोआ इलाके में उस समय हुई जब छह वाहनों का काफिला जिले के बनोई की ओर जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल ने 300-350 फुट गहरी खाई से पांच शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि घायल सैनिकों को पुंछ के फील्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर है।

पुरानी कारों की बिक्री में 'मार्जिन' होने पर ही देना होगा जीएसटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजीकृत इकाई को पुराने वाहन की बिक्री पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विक्रेता को मार्जिन यानी लाभ होने पर ही देना होगा।

'मार्जिन' राशि से आशय बिक्री मूल्य का वाहन के मूल्यह्रास समायोजित लागत मूल्य से अधिक होने से है। मामले से जुड़े एक जानकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद ने पिछले सप्ताह अपनी बैठक में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सहित सभी पुराने यानी 'सेकेंड हैंड' वाहनों की बिक्री पर जीएसटी की 18 प्रतिशत की एकल दर निर्धारित करने का निर्णय लिया। पहले अलग-अलग दरें लगाई जाती थी।

यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को पुरानी कार बेचता है, तो उस पर जीएसटी नहीं लगेगा।

मामले से जुड़े जानकार ने कहा कि जहां पंजीकृत इकाई ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 32 के तहत मूल्यह्रास का दावा किया है, ऐसी स्थिति में जीएसटी केवल आपूर्तिकर्ता के 'मार्जिन' वाले मूल्य पर देना होगा। 'मार्जिन' मूल्य ऐसे सामान की आपूर्ति के लिए प्राप्त कीमत और मूल्यह्रास मूल्य के बीच का अंतर है। उन्होंने कहा, ''जहां ऐसा 'मार्जिन' मूल्य नकारात्मक है, वहां कोई जीएसटी नहीं लगेगा।''

उदाहरण के लिए, यदि कोई पंजीकृत इकाई 20 लाख रुपए की खरीद कीमत वाले किसी पुराने या सेकेंड हैंड वाहन को 10 लाख रुपए में बेच रही है और उसने आयकर अधिनियम के तहत उसपर आठ लाख रुपए के मूल्यह्रास का दावा किया है, तो उसे कोई जीएसटी नहीं देना होगा। इसका कारण यह है कि आपूर्तिकर्ता का बिक्री मूल्य 10 लाख रुपए है और जबकि मूल्यह्रास के बाद उस वाहन की मौजूदा कीमत 12 लाख रुपए बैठती है। इस तरह विक्रेता को बिक्री पर कोई लाभ नहीं मिल रहा है।

यदि उपरोक्त उदाहरण में मूल्यह्रास के बाद मूल्य 12 लाख रुपए पर समान रहता है और बिक्री मूल्य 15 लाख रुपए है, तो आपूर्तिकर्ता के 'मार्जिन' यानी तीन लाख रुपए पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी देना होगा।

सिनेमा घर में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा

नई दिल्ली/भाषा। सिनेमा घरों में खुले रूप में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर रेस्तरां की तरह ही पांच प्रतिशत की दर से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगता रहेगा। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगर पॉपकॉर्न को फिल्म टिकट के साथ बेचा जाता है, तो इसे एक समग्र आपूर्ति के रूप में माना जाएगा और चूंकि इस मामले में मुख्य आपूर्ति टिकट है, इसलिए उसकी लागू दर के अनुसार कर लगाया जाएगा। जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में पॉपकॉर्न पर जीएसटी को स्पष्ट किया गया था। दरअसल, नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर लागू वर्गीकरण और जीएसटी दर को स्पष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश से अनुरोध मिला था। पॉपकॉर्न पर जीएसटी दर में कोई वृद्धि नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, पॉपकॉर्न को सिनेमा घरों में खुले रूप में बेचा जाता है, और इसलिए इसपर 'रेस्तरां सेवा' के समान पांच प्रतिशत की दर लागू होती रहेगी।

अमित शाह ने अज्ञात शवों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक्स तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अज्ञात शवों और लापता लेकिन 'ढूंढ लिए गए व्यक्तियों' की पहचान के लिए मंगलवार को बायोमेट्रिक्स तकनीक के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर यहां समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने आपराधिक जांच के सभी मामलों में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी मामलों के लिए पूर्व निर्धारित चरणों में 'अलर्ट' जारी किए जाने चाहिए और पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के लाभ के लिए पंजीकरण से लेकर मामले के निपटान तक की समयसीमा तय की जानी चाहिए। शाह ने कहा कि अज्ञात शवों और अज्ञात व्यक्तियों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक्स तकनीक अपनाई जानी चाहिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि पूर्व निर्धारित समयसीमा के अनुसार जांच अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से अलर्ट भेजने से जांच की प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

बैठक में अखिल भारतीय स्तर पर अपराध और अपराधी पहचान नेटवर्क और प्रणाली (सीसीटीएनएस) 2.0 और अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस), नए आपराधिक कानून और राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस), जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक के आईसीजेएस 2.0 के साथ कार्यान्वयन और एकीकरण की समीक्षा की गई।

बयान में कहा गया है कि चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आईसीजेएस 2.0 में नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई-समन जैसे अनुप्रयोगों के उपयोग पर जोर दिया। शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय, एनसीआरबी के अधिकारियों की एक टीम को तकनीकी परियोजनाओं को अपनाने में वृद्धि करने और हरसंभव तरीके से सहायता करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करना चाहिए। उन्होंने सीसीटीएनएस और आईसीजेएस की प्रगति की नियमित निगरानी करने और परियोजना को गति प्रदान करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ नियमित संवाद पर जोर दिया।

गृह मंत्री ने कहा कि एनसीआरबी को जांच अधिकारियों और आपराधिक न्याय प्रणाली के अन्य हितधारकों के लाभ के लिए डेटा समृद्ध मंच बनाना चाहिए। शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों और एनएएफआईएस के तकनीकी कार्यान्वयन में एनसीआरबी के प्रयासों की सराहना की।

इस साल नौकरियों के लिए कुल सात करोड़ आवेदनों में से 2.8 करोड़ महिलाओं के : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। साल 2024 में नौकरियों के लिए किए गए कुल सात करोड़ आवेदनों में से 2.8 करोड़ महिलाओं के थे। यह संख्या वर्ष 2023 के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है। रोजगार पोर्टल 'अपना डॉट को' की ओर से जारी 'इंडिया एट वर्क 2024' रिपोर्ट से बात सामने आई है।

रिपोर्ट दर्शाती है कि भारत का रोजगार परिदृश्य ऐतिहासिक बदलाव का गवाह बन रहा है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में इस साल नौकरियों के लिए कुल सात करोड़ आवेदन किए गए गए, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 25 फीसदी ज्यादा हैं। इसमें कहा गया है कि आवेदनों की संख्या में वृद्धि कार्यबल में महिलाओं और युवाओं की बढ़ती भागीदारी का नतीजा है।

रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी के लिए किए गए कुल सात करोड़ आवेदनों में से 2.8 करोड़ महिलाओं के थे। दिल्ली-एनसीआर, बेंगलूरु और मुंबई जैसे टियर-1 शहरों में महिलाओं ने सबसे ज्यादा 1.52 करोड़ आवेदन किए। वहीं, जयपुर, लखनऊ और भोपाल जैसे टियर-2 तथा टियर 3 शहरों में महिलाओं की ओर से किए गए आवेदनों की संख्या 1.28 करोड़ दर्ज की गई, जो मेट्रो शहरों से परे रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि का सूचक है।

इसमें कहा गया है कि 2023 के मुकाबले 2024 में महिला पेशेवरों के औसत वेतन में 28 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाएं न सिर्फ स्वास्थ्य देखभाल, आतिथ्य, खुदरा और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, बल्कि फील्ड बिक्री, आपूर्ति शृंखला और सुरक्षा सेवा जैसी अपरंपरागत भूमिकाएं भी अपना रही हैं।

इसमें कहा गया है, वरिष्ठ और प्रबंधकीय पदों के लिए आवेदनों की संख्या में 32 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जो भारत के नए युग के कार्यबल को आकार देने में महिलाओं के बढ़ते प्रभाव का संकेत है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में रोजगार के लिए आवेदन करने वाले 'नए आवेदकों' की संख्या दो करोड़ से अधिक रही, जो 2023 की तुलना में 27 प्रतिशत ज्यादा है।

इसमें कहा गया है कि चेन्नई, बेंगलूरु और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में 60 लाख आवेदन किए गए, जबकि पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे क्षेत्रों में 82 लाख आवेदन प्राप्त हुए।

सेल को पीआरएसआई ने आठ पुरस्कारों से नवाजा

नई दिल्ली/भाषा। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को 'पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया' (पीआरएसआई) ने आठ पुरस्कारों से नवाजा है। सेल की ओर से जारी बयान के अनुसार, कंपनी को पीआरएसआई द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित 46वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में ये पुरस्कार प्रदान किए गए। इस सम्मेलन का आयोजन 20 से 22 दिसंबर के बीच किया गया था। बयान में कहा गया, ई-न्यूजलेटर' श्रेणी में कंपनी के समाचार बुलेटिन 'सेलट्रैक' को उसकी प्रभावी प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा कंपनी को 'कॉरपोरेट फिल्म' श्रेणी, संचार अभियान' (इंटरनल पब्लिक्स) श्रेणी, हाउस' जर्नल (अंग्रेजी) श्रेणी, सर्वश्रेष्ठ पीआर कार्यक्रम' श्रेणी के साथ-साथ 'कॉरपोरेट अभियान में सोशल मीडिया के सर्वश्रेष्ठ उपयोग, कॉरपोरेट वेबसाइट' तथा 'वार्षिक रिपोर्ट' श्रेणी में पुरस्कार मिले। सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने कहा, ये पुरस्कार कंपनी की छवि और पहुंच को बढ़ाने में हमारी संचार पहल के विभिन्न प्रयासों को रेखांकित करते हैं। सेल ने हमेशा प्रभावी संचार पर जोर दिया है...यह सम्मान संचार में उत्कृष्टता के लिए सेल के समर्पण का प्रमाण है...हम भविष्य में भी नवाचार करते रहेंगे और संचार के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेंगे।

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी से 177 सड़कें बंद, शिमला के होटलों में 70 प्रतिशत कमरे भरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में बर्फबारी होने के कारण तीन राष्ट्रीय राजमार्गों समेत राज्य में कम से कम 177 सड़कें बंद हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किन्नौर, लाहौल एवं स्पीति, शिमला, कुल्लू, मंडी, चंबा और सिरमौर जिले के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई।

शिमला होटल एवं पर्यटन हितधारक संघ के अध्यक्ष एम.के. सेठ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शिमला के होटल में 70 प्रतिशत कमरे भरे हैं। उन्होंने बताया कि बर्फबारी के कारण कमरों की बुकिंग में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व एवं आपदा) ओंकार शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राज्य में बर्फबारी के कारण करीब 174 सड़कें और तीन राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं। उन्होंने बताया कि अटल सुरंग के पास फंसे करीब 500 वाहनों में मौजूद पर्यटकों को सोमवार देर रात तक सुरक्षित बचा लिया गया। खबरों के अनुसार, बर्फबारी के कारण पिछले 24 घंटे में हुई दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई तथा कुछ स्थानों पर वाहन फिसलने के कारण कई लोग घायल हो गए। प्रशासन ने अभी तक मृतकों के बारे में अभी कोई जानकारी साझा नहीं की है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात अटारी और लेह के बीच, कुल्लू जिले में सैंज से औट, किन्नौर जिले में खाब और संगम के बीच तथा लाहौल एवं स्पीति में ग्रामफू पर अवरुद्ध है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि शिमला में सबसे ज़्यादा 89 सड़कें बंद हैं, इसके बाद किन्नौर में 44 और मंडी में 25 सड़कें बंद हैं।

इसने बताया कि बर्फबारी के कारण 683 ट्रांसफार्मर ठप पड़ गए हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है।

शर्मा ने पर्यटकों को सलाह दी कि वे जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा जारी परामर्श का पालन करें, स्थानीय लोगों के सुझाव सुनें और बर्फ में वाहन चलाने से बचें। खदराला में 24 सेमी बर्फबारी हुई। इसके बाद सांगला में 16.5 सेमी, शिल्लारू में 15.3 सेमी, चौपाल और जुब्बल में 15-15 सेमी, कल्पा में 13.7 सेमी, निचार में 10 सेमी, शिमला में 7 सेमी, पूह में 6 सेमी और जोत में 5 सेमी तक बर्फबारी हुई।

मौसम विभाग ने बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर और मंडी में भीषण ठंड के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है, जबकि भाखड़ा बांध जलाशय क्षेत्र और मंडी के बल्ह घाटी के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार तक घने कोहरा छाए रहने की संभावना के चलते 'येलो' अलर्ट जारी किया है। लाहौल एवं स्पीति जिले का कुकुमसेरी राज्य में सबसे ठंडा रहा, जहां रात का तापमान शून्य से नीचे 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कांग्रेस को संसद का समय खराब करने के लिए माफी मांगनी चाहिए : फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ कांग्रेस के विरोध को 'नाटक' करार देते हुए मंगलवार को कहा कि विपक्षी पार्टी को संसद का समय बर्बाद करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिखा दिया है कि गांधी परिवार ने हमेशा अंबेडकर का विरोध किया है।

संवाददाताओं द्वारा शाह के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी विरोध के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, यह महज नाटक है''।

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस को अमित शाह का अधूरा वीडियो (जिसमें उन्होंने अंबेडकर का जिक्र किया था) सोशल मीडिया पर साझा करने और संसद का समय बर्बाद करने तथा अब लोगों का समय बर्बाद करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने कभी अंबेडकर को सम्मान नहीं दिया लेकिन अब वह राजनीति के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करना चाहती है।

कांग्रेस बार-बार अंबेडकर का अपमान करती है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मंगलवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने आजादी से पहले और बाद में भी डॉ. भीमराव अंबेडकर का बार-बार अपमान किया है।

चुघ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अंबेडकर को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया तथा उनके त्यागपत्र को अंबेडकर के प्रति प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की मानसिकता का सबूत बताया। उन्होंने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की भी आलोचना की तथा उस पर अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के कारण लोगों का विश्वास और समर्थन खोने का आरोप लगाया। चुघ ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं को बताया, मैं एक अखबार की रिपोर्ट पढ़ रहा था (विरोध प्रदर्शनों के बारे में)। कांग्रेस पार्टी का डॉ. अंबेडकर का अनादर करने का एक लंबा इतिहास रहा है – उनके जीवनकाल के दौरान और उनके निधन के बाद भी। यह स्वतंत्रता से पहले और बाद में उनके कार्यों से स्पष्ट है, जिसमें उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, यदि आप उनके त्यागपत्र का विश्लेषण करें तो यह पंडित नेहरू की पक्षपातपूर्ण मानसिकता को उजागर करता है, जिन्होंने प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में लगातार अंबेडकर की विचारधारा का विरोध किया। उन्होंने कहा, डॉ. अंबेडकर का उनके जीवनकाल में लगातार अपमान करने वाली कांग्रेस ने आजादी से पहले और बाद में भी उनके विचारों का विरोध किया।

चुघ ने आरोप लगाया, अगर आप उनके पत्रों को देखेंगे तो पाएंगे कि पंडित नेहरू ने किस तरह आरक्षण का विरोध किया था। देश कभी नहीं भूल सकता कि नेहरू ने अंबेडकर के साथ कैसा अन्याय किया था।

भारत में खुदरा स्टोर पर यूपीआई क्यूआर लेनदेन इस साल 33 प्रतिशत बढ़ाः रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। इस साल अर्द्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा स्टोर पर यूपीआई क्यूआर लेनदेन में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शाखा रहित बैंकिंग और डिजिटल नेटवर्क पेनियरबाय की रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि इससे डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन का पता चलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बीमा पॉलिसी खरीद और प्रीमियम संग्रह में लेनदेन की मात्रा 127 प्रतिशत बढ़ी और नए ग्राहकों द्वारा इसे अपनाने में 96 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसमें कहा गया, इससे भारत में बीमा पैठ की चुनौतियों पर काबू पाने में डिजिटल खुदरा स्टोर की भूमिका का पता चलता है। यह रिपोर्ट ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत भर में फैले वित्तीय और डिजिटल सेवाएं प्रदान करने वाले 10 लाख से अधिक छोटे खुदरा विक्रेताओं (किराना स्टोर, मोबाइल रिचार्ज स्टोर आदि) से मिले वास्तविक लेनदेन के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है।

आईटी भर्ती : 2025 में उछाल की उम्मीद, एआई/डेटा विज्ञान संबंधी पदों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में नियुक्तियों का परिदृश्य एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है क्योंकि 2024 में गिरावट का सामना करने के बाद अब अधिक आशाजनक भविष्य की ओर बढ़ रहा है। विशेष कौशल खासतौर पर कृत्रिम मेधा (एआई) और डेटा विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करना, मझोले शहरों की ओर भौगोलिक बदलावों के साथ इस क्षेत्र में बदलाव का संकेत देता है। भारत में 2024 आईटी क्षेत्र में भर्तियों में गिरावट देखी गई, हालांकि 2025 के लिए संभावनाएं आशाजनक दिखाई देती हैं जिसमें आर्थिक स्थितियों तथा प्रौद्योगिकी प्रगति में सुधार से वृद्धि की उम्मीदें हैं। एडेको इंडिया के 'कंट्री मैनेजर' सुनील चेम्मनकोटिल ने कहा, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) से भर्तियों को बढ़ावा मिला जिससे प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए 52.6 प्रतिशत नौकरियों का सृजन हुआ लेकिन वे आईटी सेवा क्षेत्र में आई भारी गिरावट की पूरी तरह भरपाई नहीं कर सके। एडेको रिसर्च के अनुसार, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) में विभिन्न भूमिकाओं की मांग में 39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

'आरक्षण के मुद्दे का समाधान करें, अदालत पर इसे छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने का रास्ता तलाश करने का आह्वान करते हुए कहा कि मामले को अदालतों पर छोड़ना ''बहुत दुर्भाग्यपूर्ण'' है।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों, विशेषकर युवाओं ने विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को वोट दिया ताकि आरक्षण को 'तर्कसंगत' बनाया जा सके और किसी का अधिकार नहीं छीना जा सके। उन्होंने कहा, हम इसमें कोई राजनीति नहीं चाहते हैं, लेकिन हम सामान्य वर्ग के छात्रों को परेशान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने छह महीने का समय मांगा है। उनके (नेकां के) पास लद्दाख सहित तीन सांसद और 50 विधायक हैं, उन्हें छह महीने की जरूरत क्यों है? उन्हें लगता है कि अदालत का फैसला आ जाएगा और उन्हें कुछ नहीं करना पड़ेगा।महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नेकां सरकार आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने के लिए एसआरओ ला सकती थी, जैसा उन्होंने 2018 में किया था, जब वह स्नातकोत्तर में सामान्य श्रेणी के लिए 75 प्रतिशत सीट निर्धारित करने के लिए एसआरओ-49 लेकर आई थीं। पीडीपी अध्यक्ष ने सवाल किया, यदि इन छह महीनों में व्याख्याताओं, पुलिस आदि की भर्ती होती है तो इन (सामान्य श्रेणी के छात्रों) को क्या मिलेगा?'' मुख्यमंत्री आवास के बाहर सोमवार को नेकां के श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि लोगों ने संसदीय चुनावों में भी यह सोचकर नेकां को वोट दिया था कि वे उनके मुद्दों को सुलझाएंगे या कम से कम संसद में उन्हें उठाएंगे।

शाम पांच बजे तक मतदान के आंकड़े की तुलना वास्तविक डेटा से करना गलतः निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के नाम न तो मनमाने ढंग से जोड़े गए हैं और न ही हटाए गए हैं।

कांग्रेस को दिए अपने जवाब में आयोग ने यह भी कहा कि हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में शाम पांच बजे के मतदान के आंकड़ों की तुलना अंतिम मतदान आंकड़ों के साथ करना सही नहीं होगा।

कांग्रेस ने नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से संबंधित विभिन्न चिंताओं को लेकर चुनाव आयोग का रुख किया था। एक विस्तृत नोट जारी करते हुए आयोग ने कांग्रेस को बताया कि शाम 5 बजे से रात 11:45 बजे तक मतदान प्रतिशत में वृद्धि सामान्य थी, जो मतदान के मतों को जोड़ने की प्रक्रिया का हिस्सा था तथा मतों और गिने गए मतों में वास्तविक, लेकिन असंगत अंतर हो सकता है। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक मतदान प्रतिशत को बदलना असंभव है।

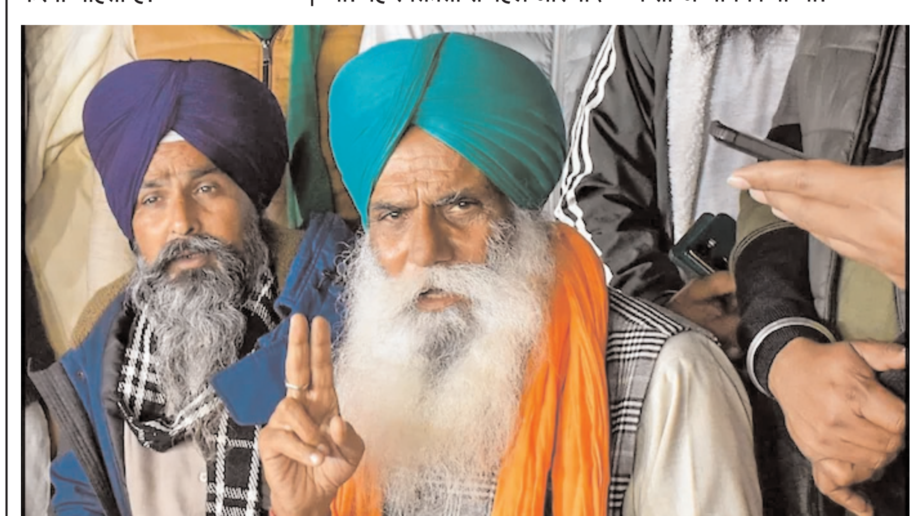

हमें इस लड़ाई को जीतने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा : किसान नेता डल्लेवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने मंगलवार को कहा कि इस लड़ाई को जीतने के लिए पूरे देश को एकजुट होकर लड़ना होगा।

डल्लेवाल (70)केंद्र सरकार पर किसानों की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित अन्य मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाने के लिए खनौरी सीमा पर 29 दिन से अनशन कर रहे हैं। अपने गिरते स्वास्थ्य को देखते हुए बनाए गए विशेष मंच से किसानों को संबोधित करते हुए डल्लेवाल ने आंदोलन को समर्थन देने वालों का दिल से आभार जताया। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ का सहारा लेकर खड़े डल्लेवाल ने लड़खड़ाती आवाज में कहा, मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि मैं ठीक हूं। हमें यह लड़ाई जीतनी है। यह लड़ाई तभी जीती जा सकेगी, जब पूरा देश एकजुट होकर लड़ेगा।

लगभग दो मिनट के संबोधन में डल्लेवाल ने कहा, मैं चाहता हूं कि सरकार हमें किसी भी कीमत पर यहां से नहीं हटा सके। अगर वह ऐसा नहीं कर पाएगी, तो या तो हम जीत जाएंगे या मर जाएंगे, दोनों में से कोई एक चीज होगी। बाद में कोहाड़ ने कहा कि जब डल्लेवाल ने खुद के ठीक होने की बात कही, तो उनका मतलब था कि वह शारीरिक रूप से कमजोर हो गए होंगे, लेकिन उनके हौसले बुलंद हैं। डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर नजर रखने वाले चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक बताई है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान दिल्ली कूच से रोके जाने के बाद 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू बॉर्डर और खनौरी सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। डल्लेवाल 26 नवंबर से भूख हड़ताल पर हैं।

केंद्र सरकार जिद छोड़कर किसानों से बात करेः मान

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को केंद्र से आग्रह किया कि वह अपनी 'जिद' छोड़कर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य की सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ बातचीत करे। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के नेतृत्व में किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू तथा खनौरी बॉर्डर पर उस समय से डेरा डाले हुए हैं जब सुरक्षा बलों ने उन्हें दिल्ली कूच करने से रोक दिया था। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल केंद्र पर किसानों की मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाने के लिए 26 नवंबर से खनौरी सीमा पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। अनशन के 27वें दिन रविवार को चिकित्सकों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति को 'गंभीर' बताया था। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मान ने कहा कि केंद्र सरकार को अपनी 'जिद' छोड़नी चाहिए और किसान संगठनों के साथ बातचीत का रास्ता खोलना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर मोदी जी(प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवा सकते हैं, तो क्या वह दिल्ली से महज 200 किलोमीटर दूर बैठे किसानों से बात नहीं कर सकते? आप किस समय का इंतजार कर रहे हैं?''

कांग्रेस नेता ने 'पुष्पा 2' के अभिनेताओं, निर्माताओं के खिलाफ शिकायत दी

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस के विधान पार्षद चिंतापांडु नवीन ने फिल्म 'पुष्पा 2' के अभिनेताओं, निर्देशक और निर्माताओं के खिलाफ रचकोंडा पुलिस थाने में शिकायत दी है जिसमें आरोप लगाया कि फिल्म में पुलिस अधिकारियों का अपमान करने वाले दृश्य हैं।

सोमवार को दर्ज की गई शिकायत में फिल्म के कुछ खास दृश्यों का हवाला दिया गया है और आरोप लगाया गया है कि पुलिस अधिकारियों को भ्रष्टाचारियों के तौर पर दिखाया गया है।

आईआरसीटीसी ने प्राइवेट ट्रेनों की देरी पर यात्रियों को हर्जाना देना बंद कियाः आरटीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आईआरसीटीसी ने पांच साल पहले प्राइवेट ट्रेनों के विलंब पर यात्रियों को हर्जाना देने की योजना को बंद कर दिया है। साथ ही गोपनीयता नीति का हवाला देते हुए इस योजना को बंद करने का कारण बताने से इनकार किया है।

समाचार एजेंसी 'भाषा' द्वारा सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दाखिल आवेदन के जवाब में यह जानकारी प्राप्त हुई। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की स्थापना रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे की संपूर्ण खानपान एवं पर्यटन गतिविधियों के संचालन के मूल उद्देश्य से की गई थी और वर्तमान में यह टिकट बुकिंग व प्राइवेट ट्रेनों का संचालन भी करता है। आईआरसीटीसी के मुताबिक, इस योजना के तहत चार अक्टूबर 2019 से इस वर्ष 16 फरवरी तक यात्रियों को 26 लाख रुपए हर्जाने के तौर पर दिए गए। आईआरसीटीसी द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी के मुताबिक, अकेले 2023-24 में 15.65 लाख रुपए का हर्जाना यात्रियों को दिया गया। आईआरसीटीसी ने आरटीआई के जवाब में बताया, प्राइवेट ट्रेनों के विलंब या देरी से चलने की स्थिति में हर्जाना प्रदान करने वाली योजना 15 फरवरी 2024 को बंद कर दी गई।

आईआरसीटीसी ने गोपनीयता नीति का हवाला देते हुए इस योजना को बंद करने का कारण बताने से इनकार किया है।

आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आईआरसीटीसी दो तेजस ट्रेनों का संचालन करता है जिसमें से एक नई दिल्ली से लखनऊ (चार अक्टूबर 2019 से) और दूसरी अहमदाबाद से मुंबई (17 जनवरी 2020 से) के लिए शुरू की गई थी।

स्टालिन ने केंद्र को बताया

श्रीलंका ने रामेश्वरम के 17 मछुआरों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार को मंगलवार को सूचित किया कि श्रीलंका ने रामेश्वरम के 17 मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी दो नौकाएं जब्त कर ली हैं। उन्होंने केंद्र से इन मछुआरों को रिहा कराने और उनकी नौकाओं को छुड़ाने के लिए त्वरित कदम उठाने का आह्वान किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना ने 24 दिसंबर 2024 को रामेश्वरम के 17 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और मछली पकड़ने वाली उनकी दो मशीनीकृत नौकाएं जब्त कर लीं।

पत्र में स्टालिन ने जयशंकर को नागापट्टिनम जिले में छह अज्ञात श्रीलंकाई नागरिकों द्वारा 20 दिसंबर को कोडियाक्कराई निवासी मछुआरों पर हमले की दो अलग-अलग घटनाओं से अवगत कराया। स्टालिन ने कहा, इन घटनाओं में दो नौकाओं पर सवार छह मछुआरों में से तीन घायल हो गए। हमलावरों ने मछली पकड़ने वाली उनकी नौकाओं से जीपीएस उपकरण, वीएचएफ उपकरण, मछली पकड़ने के जाल, मोबाइल फोन और पकड़ी गई मछलियां लूट लीं। उन्होंने कहा कि इस तरह की लगातार गिरफ्तारियों और हमलों ने अपने पारंपरिक जल क्षेत्र में मछली पकड़ने पर निर्भर मछुआरों के जीवन को बेहद अनिश्चित और खतरनाक बना दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, अकेले 2024 में अब तक 530 मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 71 नौकाएं जब्त की जा चुकी हैं। हालिया गिरफ्तारियों और हमलों ने उन लोगों के बीच डर का मौहाल पैदा किया है, जो आजीविका के लिए पूरी तरह से मछली पकड़ने पर निर्भर हैं। उन्होंने सभी गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं को तत्काल छुड़ाने के लिए राजनयिक माध्यमों से ठोस कदम उठाने की वकालत की। स्टालिन ने कहा, मैं यह भी अनुरोध करता हूं कि यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस राजनयिक कदम उठाए जाएं कि भविष्य में ऐसे हमले न हों।

गिरफ्तार मछुआरों को फिर थलाईमन्नार नौसेना शिविर ले जाया गया और पूछताछ के बाद मन्नार मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। यह गिरफ्तारी और कार्रवाई उस समय हुई जब मछुआरे अपने दैनिक कार्यों के लिए समुद्र में गए थे। श्रीलंकाई नौसेना के मुताबिक भारतीय मछुआरे उनकी सीमा में घुस आए थे, जिससे इन मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। यह घटना दोनों देशों के बीच समुद्री सीमा विवाद और मछुआरों को लेकर तनाव को बढ़ाती है, क्योंकि भारतीय मछुआरे अक्सर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोपों का सामना करते हैं। इस मामले में श्रीलंकाई अधिकारियों का कहना है कि मछुआरे उनकी समुद्री सीमा का उल्लंघन कर रहे थे, जबकि भारतीय मछुआरे इसे अपनी आजीविका के लिए जरूरी मानते हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पत्र लिख कर श्रीलंका के जेल में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई का मुद्दा उठाया था।

कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में लिखा था कि हम श्रीलंकाई राष्ट्रपति की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा की मेजबानी करने की तैयारी कर रहे हैं, मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह गलती से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबीएल) पार करने वाले भारतीय मछुआरों के मुद्दे को उठाएं और उनकी जल्द रिहाई सुनिश्चित करें।

रेला हॉस्पिटल ने स्पेशल बच्चों के साथ मनाया क्रिसमस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई रेला हॉस्पिटल ने द ऑल्ट स्कूल के विशेष बच्चों के साथ क्रिसमस मनाया। बच्चों ने अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों, डाक्टरों के साथ क्रिसमस की खुशियों को एक दूसरे के साथ साझा किया। 2 से 14 वर्ष की आयु के 100 से अधिक स्पेशल बच्चों ने सांता क्लॉज की पोशाक में चॉकलेट और अन्य गिफ्ट लेकर अस्पताल का दौरा कर मरीजों, कर्मचारियों तथा डाक्टरों के साथ गर्म जोशी से मुलाकात कर गिफ्ट सौंपे।

इस अवसर पर तांबरम नगर निगम के उप महापौर जी. कामराज भी उपस्थित थे। रेला हॉस्पिटल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रो मोहम्मद रेला ने इस अवसर पर कहा कि अस्पताल सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसलिए जब मौके मिलते हैं हम अपने सभी हितधारकों को अपनी इस पहल का हिस्सा बनाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों में शामिल करते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल के कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कान देखकर हमें याद आता है की दयालुता के छोटे-छोटे कार्य भी जीवन पर सबसे अधिक प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि क्रिसमस के पर्व पर हमें अपने मरीजो और कर्मचारियों को इस खुशी में शामिल करना न सिर्फ एक उत्सव है बल्कि ऐसा माहौल बनाने के हमारे प्रयासों का प्रमाण है जहां उपचार चिकित्सा देखभाल से भी बढ़कर है। ऑल्ट स्कूल के संस्थापक सुश्री दीपा अत्रे ने इस अवसर पर कहा कि क्रिसमस मुस्कुराहट खुशी और उम्मीद का मौसम है ऑल्ट स्कूल में हम हर साल अपने बच्चों को सांता क्लॉज की तरह ही तैयार करते हैं और क्रिसमस की खुशियां फैलाने के लिए विभिन्न स्थानों पर जाते हैं।

आज हमारे बच्चे मरीजों, डाक्टरों, कर्मचारियों और देखभाल करने वालों को खुश करने के लिए रेला अस्पताल आए हैं बच्चों के लिए यह एक अच्छा अनुभव है बच्चों के इन प्रयासों से कई लोगों के चेहरों पर मुस्कान छाई है।

शिविर में संदिग्ध भोजन विषाक्तता के बाद 60 से अधिक एनसीसी कैडेट बीमार हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल के एक कॉलेज में आयोजित शिविर में भोजन करने के बाद बीमार हुए 60 एनसीसी कैडेट को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आशंका है कि उनकी तबियत विषाक्त भोजन के सेवन के कारण खराब हुई। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार रात को 21 केरल बटालियन एनसीसी द्वारा थ्रिक्काकारा के एक कॉलेज में आयोजित शिविर में भोजन विषाक्तता का मामला सामने आया। उन्होंने बताया कि भोजन विषाक्तता की शिकायत करने वाले छात्रों को इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया और इनमें से कई को कल रात छुट्टी दे दी गई।

एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि एनसीसी ने इस घटना की विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि रात करीब सात बजे खाना खाने के बाद शुरू में चार छात्रों ने बेचैनी की शिकायत की और फिर धीरे-धीरे यह संख्या बढ़कर 40 और फिर बाद में 60 हो गई। शिविर के आयोजकों ने सभी को अस्पताल पहुंचाया। कई छात्र, घटना के बाद शिविर पहुंचे अपने माता-पिता के साथ घर चले गए। इस बीच, घटना की खबर फैलने के बाद पुलिस ने शिविर क्षेत्र में कथित तौर पर उपद्रव मचाने के आरोप में बाहर से आए करीब 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, 20 दिसंबर से शुरू हुए 10 दिवसीय शिविर में 550 छात्र शामिल हुए। कई छात्र शिविर छोड़ चुके हैं, इसलिए एनसीसी अधिकारी मंगलवार को तय करेंगे कि शिविर जारी रखना है या नहीं। अधिकारियों ने कहा कि भोजन के नमूने और खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए गए पानी के नमूने को परीक्षण के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षण के परिणाम आने के बाद ही भोजन विषाक्तता का सही कारण पता चल सकेगा।

वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रेप्को बैंक ने अपने स्थापना दिवस के 56वें वर्ष के मौके पर राष्ट्रव्यापी पहल 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत एक महीने में 56 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा। यह पहल इसकी सहायक कंपनियों, रेप्को माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड (आरएमएफएल) और रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के सहयोग से की गई है। रेप्को बैंक की शाखाओं ने इस राष्ट्रव्यापी प्रयास में भाग लिया है, जिसमें कर्मचारी और ग्राहक अपने-अपने क्षेत्रों में उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण में शामिल हैं। अभियान के हिस्से के रूप में, रेप्को बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय ने 21 दिसंबर को कलैगनार शताब्दी जलवायु पार्क, किलाम्पक्कम में 800 पौधे लगाए। इस कार्यक्रम में ई. संथानम, अध्यक्ष; ओ.एम. गोकुल, प्रबंध निदेशक (आई/सी); शीर्ष अधिकारियों और रेप्को बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

हिरासत में लिए गए सीटी रवि को सुरक्षा कारणों से विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया : कर्नाटक पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान पार्षद सी.टी. रवि के साथ हिरासत में दुर्व्यवहार करने के आरोपों पर सफाई देते हुए पुलिस ने मंगलवार को कहा कि भाजपा नेता को सुरक्षा कारणों से और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया था। विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने के आरोप में रवि को बेलगावी में सुवर्ण विधान सौध परिसर से पुलिस ने 19 दिसंबर को गिरफ्तार किया था।

पुलिस के बयान के अनुसार, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 (यौन उत्पीड़न) और 79 (किसी महिला का शील भंग करने के इरादे से अपशब्द बोलना, इशारे करना या कृत्य) के तहत यहां हीरेबागेवाड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज किए जाने के बाद रवि को हिरासत में लिया गया और जांच अधिकारियों को सौंप दिया गया।

हालांकि, सुरक्षा कारणों से और हीरेबागेवाड़ी पुलिस थाने के पास भारी भीड़ जुटने के चलते रवि को खानपुर पुलिस थाने ले जाया गया। पुलिस ने कहा, खानपुर में भी बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी, समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता इकट्ठा हो गए और अराजकतापूर्ण माहौल हो गया।

हजरत निजामुद्दीन और तिरुवनंतपुरम सेंट्रल के बीच सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर रेलवे ने अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 04082/04081 हज़रत निज़ामुद्दीन - तिरुवनंतपुरम सेंट्रल - हज़रत निज़ामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। ट्रेन संख्या 04082 हजरत निजामुद्दीन - तिरुवनंतपुरम सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस 28 दिसंबर शनिवार को 19.20 बजे हजरत निजामुद्दीन से रवाना होगी और तीसरे दिन 19.45 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल पहुंचेगी।

वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 04081 तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन

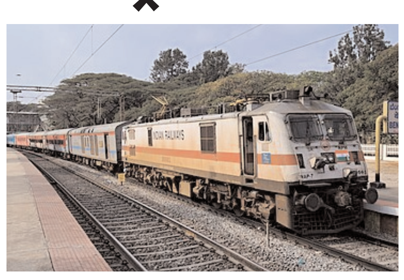

सुपरफास्ट एक्सप्रेस 31 दिसंबर मंगलवार को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से 07.50 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 06.45 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इस ट्रेन में पांच एसी टू टियर कोच, दस एसी थ्री टियर कोच, दो सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, एक द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और एक लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

मछली पकड़ने के दौरान बकिंघम नहर में डूबने से तीन भाईयों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के मराक्कनम में एक दुखद घटना घटी है। जहां तीन भाई लोकेश (24), विक्रम (23) और सूर्या (23) मछली पकड़ने के दौरान बकिंघम नहर में डूब गए। मराक्कनम के गणेशन के बेटे लोकेश, विक्रम और सूर्या नहर में मछली पकड़ने के लिए गए थे, तभी एक दुखद घटना घटी। लोकेश गलती से नहर के पानी में गिर गया और तेज धारा में बह गया। उसे बचाने के लिए उसके दोनों भाई विक्रम और सूर्या ने तुरंत पानी में कूदकर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन नहर की तेज धार ने उन्हें भी खींच लिया और वे सभी डूब गए। घटना के बाद स्थानीय लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक वे सभी डूब चुके थे। पुलिस और अग्निशमन विभाग ने इस दुखद घटना के बाद तलाशी अभियान शुरू किया। हालांकि नहर में अंधेरा होने के कारण अभियान में बाधाएं आईं। कई घंटों की तलाश के बाद लोकेश का शव नहर से बरामद कर लिया गया।

तेज रफ्तार रेलगाड़ी से जान बचाने के लिए पटरी पर लेट गया व्यक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर। केरल के कन्नूर जिले का एक अचंभित कर देने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति को तेज रफ्तार रेलगाड़ी से बचाव के लिए पटरी पर लेट कर जान बचाते हुए देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कन्नूर के निकट यह व्यक्ति पटरी पर लेट जाता है और रेलगाड़ी उसके ऊपर से गुजर जाती है। व्यक्ति पूरी तरह से स्थिर होकर पटरी पर लेटा रहता है और रेलगाड़ी के निकल जाने के बाद उठता है और बिना की नकुसान के वहां से चला जाता है।

यह घटना सोमवार को शाम करीब पांच बजे कन्नूर और चिरक्कल रेलवे स्टेशन के बीच हुई जब मैंगलोर-तिरुवनंतपुरम रेलगाड़ी वहां से गुजरी। सोशल मीडिया पर तेजी से इस घटना का वीडियो प्रसारित होने के बाद रेलवे पुलिस ने व्यक्ति की पहचान ''छोटे कद'' वाले पवित्रन (56) के रूप में की है। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पवित्रन का बयान दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, पवित्रन ने दावा किया कि वह फोन पर बात कर रहा था और वह रेलगाड़ी के आने का अंदाजा नहीं लगा पाया। जब उसे खतरे का अहसास हुआ तो वहां से भागने के लिए समय नहीं था ऐसे में उसने पटरी पर लेटने का फैसला किया जिससे वह हादसे को टालने में सफल रहा। पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, वीडियो देखकर हम भी हैरान रह गए। उनका कद छोटा था इसलिए वह सकुशल रहे।''

जब इस घटना का वीडियो प्रसारित हुआ तो अफवाह फैलने लगी कि एक शराबी व्यक्ति पटरी पर लेटा हुआ था और बाद में वहां से चला गया। पवित्रन ने स्पष्ट किया, ''मैं नशे में नहीं था। मैं अपनी जान बचाने के लिए पटरी पर लेट गया था।'' स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर कार्यरत पवित्रन ने कहा कि इस घटना ने उसे हिलाकर रख दिया है। उसने कहा, ''मैं अभी भी डर से उबर नहीं पाया हूं।''

विजयन ने क्रिसमस समारोह में ''व्यवधान'' की निंदा की, साम्प्रदायिक ताकतों के खिलाफ 'एकता' का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा एक विद्यालय में क्रिसमस समारोह में कथित रूप से व्यवधान डालने की मंगलवार को कड़ी निंदा की और सभी से राज्य में सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ ''एकजुट होने'' का आग्रह किया। विजयन ने कहा कि लोगों को उन ''संस्कृतिविहीन व्यक्तियों'' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए जो केरल और उसके लोगों का ''अपमान'' बन गए हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केरल के लोगों में दूसरों की मान्यताओं को स्वीकार करने और समझने तथा दूसरों की खुशी को अपनी खुशी मानने की अनोखी मानसिकता और खुलापन है। विजयन ने कहा, ''हम हर उत्सव को प्यार की मिठास साझा करने के अवसर के रूप में देखते हैं।'' उन्होंने कहा कि केरल में विभिन्न धार्मिक समूहों के लोगों के लिए एक-दूसरे के उत्सवों में शामिल होना एक परंपरा है।

विजयन ने एक बयान में कहा, ''आज, कुछ दुर्भावनापूर्ण सांप्रदायिक ताकतें इस परंपरा को कमजोर करने और धार्मिक मान्यताओं को नफरत के कारणों में बदलने का प्रयास कर रही हैं।'' उन्होंने कहा कि ''संघ परिवार'' द्वारा क्रिसमस समारोहों पर हमलों की हालिया घटनाएं इस परेशान करने वाली वास्तविकता को उजागर करती हैं।

विजयन ने कहा, ''इन ताकतों का विरोध करना और हमारे राज्य की वास्तविक भावना की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने यह भी कामना की कि क्रिसमस का त्योहार मानवता और प्रेम का संदेश लेकर आए।

उन्होंने सभी से क्रिसमस का त्योहार एकसाथ मिलकर मनाने का आग्रह किया। विहिप कार्यकर्ताओं द्वारा एक स्कूल में क्रिसमस समारोह में कथित व्यवधान डालने और पलक्कड़ जिले में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा एक अन्य स्कूल में बच्चों द्वारा बनाए गए प्रतीकात्मक पालने को नष्ट करने के कारण हाल ही में केरल में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। राज्य सरकार ने इन घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष पुलिस दल को लगाया है।

क्रिसमस समारोह : ऑर्थोडॉक्स पादरी और भाकपा नेता ने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल में ऑर्थोडॉक्स चर्च के एक वरिष्ठ पादरी और भाकपा के एक वरिष्ठ नेता ने पिछले दिनों केरल के एक स्कूल में क्रिसमस आयोजन के दौरान विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा कथित रूप से उत्पन्न किए गए अवरोध का जिक्र करते हुए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। मलंकारा ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च के त्रिशूर बिशपक्षेत्र के युहानोन मोर मेलेटियस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर प्रधानमंत्री की आलोचना की। इससे एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नयी दिल्ली में कैथलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में हिस्सा लिया था।

पादरी ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, वहां बिशपों का सम्मान किया जाता है और क्रिब का सम्मान किया जाता है। यहां क्रिब में तोड़फोड़ की जाती है। मलयालम में ऐसे व्यवहार के लिए कोई शब्द होना चाहिए, है न? 'क्रिब' ईसा मसीह के जन्म को दर्शाने वाली प्रदर्शनी होती हैं।

केरल में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा एक स्कूल में क्रिसमस समारोह में कथित रूप से व्यवधान उत्पन्न करने तथा पलक्कड जिले में अज्ञात उपद्रवियों द्वारा एक अन्य स्कूल में बच्चों द्वारा बनाए गए प्रतीकात्मक 'क्रिब' को नुकसान पहुंचाने के कारण हाल में राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ। राज्य सरकार ने घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष पुलिस दल को तैनात किया है।

इस बीच राज्य में सत्तारूढ़ एलडीएफ में दूसरे सबसे बड़े घटक दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने नयी दिल्ली में सीबीसीआई के क्रिसमस समारोह में प्रधानमंत्री के शामिल होने की तीखी आलोचना की और इसे ''राजनीतिक पाखंड'' करार दिया। भाकपा के प्रदेश सचिव बिनॉय विस्वाम ने एक बयान में आरोप लगाया कि एक तरफ प्रधानमंत्री नयी दिल्ली में ईसा मसीह और उनके प्रेम को लेकर उपदेश दे रहे हैं, दूसरी तरफ उनके 'संघ बंधु' केरल के नल्लेपिल्ली में क्रिसमस समारोह में रोड़े अटकाकर ईशनिंदा का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री के सीबीसीआई मुख्यालय में बोले गए शब्दों में थोड़ी भी शुचिता है तो उन्हें क्रिसमस के दौरान प्यार और शांति के संदेश के साथ मणिपुर जाना चाहिए। विस्वाम ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री मणिपुर जाने को तैयार हैं?

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को सीबीसीआई के समारोह में कहा कि जब समाज में हिंसा फैलाने और अवरोध पैदा करने की कोशिश की जाती है तो उनके हृदय में पीड़ा होती है। मोदी ने कल आयोजित समारोह में ईसा मसीह के उपदेशों के अनुरूप प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। यह पहली बार है जब किसी प्रधानमंत्री ने भारत में कैथोलिक चर्च के मुख्यालय में इस तरह के कार्यक्रम में भाग लिया है।

प्रदेश सरकार शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के लिए कृत-संकल्प : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को जोधपुर के लूणी विधानसभा क्षेत्र के राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय, पाल में निःशुल्क टैबलेट एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम में शिरकत की। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही हैं। 12 दिसंबर को जोधपुर में आयोजित रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने 4 हजार 10 स्कूलों में 8 हजार 20 स्मार्ट क्लास रूम, ई-पाठशाला एवं विद्या समीक्षा केन्द्र का शुभारंभ किया। इससे प्रदेश में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

पटेल ने कहा रोजगार उत्सव में प्रदेश भर के 1 लाख 25 हजार छात्राओं को साइकिल, 75 हजार 325 विद्यार्थियों को व्यवसायिक टूल किट, 23 हजार 100 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित की गई। जिससे उनका कौशल विकास और तकनीकी के प्रयोग से शैक्षणिक उन्नयन सुनिश्चित होगा।

पटेल ने कहा कि हमारा नैतिक दायित्व है कि विद्यालयों में बच्चों को मूलभूत सुविधाएं मिले। बजट में प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा एवं शिक्षण के अनुकुल वातावरण विकसित करने के लिए कक्षा-कक्ष,लैब्स, पुस्तकालय आदि के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही, 750 विद्यालयों के भवनों की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जिससे शिक्षण संस्थानों का अवसंरचनात्मक ढांचा सुदृढ़ होगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि बच्चों के प्रोत्साहन के लिए साइकिल, टैबलेट एवं स्कूटी का समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जाए। पटेल विद्यालय के बच्चों से आत्मीयता से मिले एवं बच्चों से संवाद भी किया। इस अवसर पर राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय पाल में 21 छात्राओं को साइकिल एवं 8 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट का वितरण किया गया।

कोटपूतली में बोरवेल में गिरी बच्ची को बचाने के प्रयास युद्ध स्तर पर जारी

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली जिले के सरुंड थाना क्षेत्र में सोमवार को बोरवेल में 150 फुट गहराई में गिरी बच्ची को सुरक्षित निकालने के प्रयास मंगलवार को भी युद्धस्तर पर जारी हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी मोहम्मद इमरान ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें बच्ची को सुरक्षित निकालने के प्रयास में जुटी हैं।

एनडीआरएफ के सीनियर कमांडेंट योगेश मीणा ने बताया, रिंग रॉड और अंब्रेला तकनीक से बच्ची को बोरवेल से सुरक्षित बाहर निकालने में विफल होने के बाद मंगलवार को उसे एल बैंड (लोहे की प्लेट से बना देसी जुगाड़) से खींचने का प्रयास किया जा रहा है। कोटपूतली जिले के सरुंड थाना क्षेत्र में कितरपुरा इलाके में भूपेंद्र चौधरी नामक व्यक्ति के खेत में उसकी साढ़े तीन साल की बच्ची चेतना सोमवार अपराह्न करीब तीन बजे फिसलकर बोरवेल में गिर गई थी। बच्ची की हरकतों को कैमरे में कैद किया गया और ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए बोरवेल में ऑक्सीजन पाइप उतारा गया। दो सप्ताह पहले दौसा जिले में पांच साल का एक बच्चा बोरवेल में गिर गया था।

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश हुई, कड़ाके की सर्दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के कई इलाकों में बारिश हुई है जहां कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान में कहीं कहीं बहुत हल्की वर्षा दर्ज की गयी। पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गयी। सबसे अधिक नौ मिलीमीटर बारिश भादरा के हनुमानगढ़ में हुई। इस दौरान राज्य में कहीं कहीं पर कोहरा दर्ज किया गया। राज्य के अनेक इलाके कड़ाके की सर्दी की चपेट में हैं और कहीं कहीं 'शीत दिन' व कहीं 'अति शीत दिन' रहा। निम्नतम न्यूनतम तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस डूंगरपुर में दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण बीकानेर, जयपुर संभाग में बादल छाए हुए हैं और अनेक जगह हल्की बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा 26-27 दिसंबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेगा। इसका प्रभाव उदयपुर, कोटा, अजमेर व भरतपुर संभाग तथा शेखावाटी इलाके में देखने को मिलेगा। इसके प्रभाव से बादल छाए रहने व कहीं कहीं बारिश होने की संभावना है।

जयपुर गैस टैंकर हादसा : चालक पुलिस के सामने पेश, एसआईटी पूछताछ करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में गैस टैंकर हादसे में शामिल चालक जयवीर सोमवार को पुलिस के सामने पेश हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि घटना की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) जयवीर से पूछताछ करेगा। उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला जयवीर (40) हादसे के समय टक्कर से होने वाले नुकसान को भांपते हुए समय रहते ही गैस टैंकर से निकल गया था। एलपीजी से भरे टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी, जिससे टैंकर के 'नोजल' टूट गए और उनसे गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव से लगी भीषण आग ने आसपास के 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। एसएमएस अस्पताल में 18 घायलों का इलाज किया जा रहा है, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है।

पुलिस के मुताबिक, जयवीर ने घटना के बाद दिल्ली में रहने वाले गैस टैंकर मालिक अनिल पंवार को फोन किया और फिर अपना फोन बंद कर लिया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) अमित कुमार ने कहा, हम टैंकर चालक को तुरंत दोषी नहीं ठहरा सकते, क्योंकि ट्रक चालक ने उसके वाहन को टक्कर मारी थी। जब टैंकर चालक ने देखा कि वाहन के 'नोजल' टूट गए, तो उसे लगा कि विस्फोट हो सकता है, क्योंकि अन्य चालक अपने वाहन चालू कर रहे थे। इसके बाद वह अपनी जान बचाने के लिए घटनास्थल से भाग गया। मामले में विस्फोट वाले दिन यानी 20 दिसंबर को प्राथमिकी दर्ज की गई थी और अब टैंकर चालक से पूछताछ की जा रही है।

कुमार के अनुसार, टैंकर से टकराने वाले ट्रक के चालक की विस्फोट में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जयवीर सोमवार को पुलिस के सामने पेश हुआ। कुमार के मुताबिक, मामले की जांच कर रही एसआईटी जयवीर, पंवार और टैंकर कंपनी से वाहन की स्थिति और चालक के कामकाजी इतिहास के बारे में पूछताछ करेगी। उन्होंने बताया कि जयवीर दुर्घटनास्थल पर मौजूद नौ चालकों में से एक था, जो भागने में सफल रहा। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें लापरवाही से गाड़ी चलाना, लापरवाही से मौत का कारण बनना और जान को खतरे में डालकर चोट पहुंचाना शामिल है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया है और राज्य एवं केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 10 जनवरी, 2025 को होगी।

मृतकों की संख्या 15 हुई

जयपुर। जयपुर के गैस टैंकर हादसे में गंभीर रूप से झुलसे दो और लोगों की मंगलवार को मौत हो गई। इसके साथ ही इस हादसे में मरने की वालों की कुल संख्या बढ़कर 15 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकारी एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने बताया, आज सुबह दो घायलों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में झुलसने के कारण अस्पताल में भर्ती तीन लोगों को कल छुट्टी दे दी गई। उनके अनुसार, इस समय अस्पताल में 18 घायलों का इलाज चल रहा है, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि एक या दो लोगों की हालत में सुधार होने पर उन्हें आज छुट्टी दे दी जाएगी। जयपुर के भांकरोटा इलाके में शुक्रवार को तड़के जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर शुक्रवार को तड़के एक ट्रक ने एलपीजी से भरे टैंकर को टक्कर मार दी। इससे भीषण आग लग गई और 35 से अधिक वाहन इसकी चपेट में आ गए।

ओम बिरला ने राजस्थान में तीन दिवसीय कोटा महोत्सव का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को यहां खड़े गणेश मंदिर में हाड़ौती क्षेत्र के विशिष्ट तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव कोटा महोत्सव का उद्घाटन किया। कोटा-बूंदी से लोकसभा सदस्य बिरला ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आने वाले समय में बूंदी देश में कृषि उद्योगों का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, जबकि कोटा को भी उसी दिशा में काम करने की जरूरत है। बिरला ने कहा कि कोटा में चंबल नदी तट को जल्द ही एक खूबसूरत विवाह और कार्यक्रम स्थल के रूप में पहचाना जाएगा।

उन्होंने कहा कि कोटा महोत्सव न केवल इस क्षेत्र के गौरवशाली अतीत को जानने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि इसके विकास और वैश्विक पहचान को भी रेखांकित करता है। उद्घाटन समारोह में राजस्थान के मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, कोटा कलेक्टर रविन्द्र गोस्वामी और पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अजमेर में कांग्रेस ने निकाला अम्बेडकर सम्मान मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर शहर में कांग्रेस की ओर से मंगलवार को अम्बेडकर सम्मान मार्च आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस की धक्का-मुक्की के बीच राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन जिला कलेक्टर कार्यालय प्रवेशद्वार पर ही चस्पा कर दिया गया। अजमेर शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से अम्बेडकर सम्मान मार्च का आयोजन इण्डिया मोटर सर्किल से किया गया, जिसका नेतृत्व शहर अध्यक्ष विजय जैन ने किया। अम्बेडकर सम्मान की रक्षा के लिये कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च किया तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिला कलक्टर कार्यालय पहुंचे। यहां पहले से ही मुस्तैद पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा कांग्रेसियों का प्रवेश रोक दिया।

इस पर पुलिस से नौकझौक हुई। कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरेबान पकड़ धकेला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर पुलिस को चुनौती दी और एक बैरिकेडिंग को गिरा दिया। एकबारगी अफरातफरी मची लेकिन जब पुलिस ने कलेक्टर परिसर में प्रवेश नहीं दिया तो कांग्रेसजनों राष्ट्रपति के ज्ञापन को प्रवेशद्वार पर ही चिपका दियाजिसे हाथों हाथ ही सरकारी बंदे द्वारा उतार लिया गया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि अम्बेडकर सम्मान मार्च के जरिये कांग्रेस की ओर से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया है, जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा संसद में बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के लिये की गयी टिप्पणी की घोर भर्त्सना की गयी है और गृह मंत्री से इस्तीफे की मांग की है।

हिंदू धर्म का अपमान व धर्मांतरण स्वीकार्य नहीं : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले में मिशनरी स्कूलों में धर्मांतरण एवं हिंदू धर्म के अपमान के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जिला कलेक्टर प्रताप सिंह को ज्ञापन दिया। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री एडवोकेट लालूसिंह सोढ़ा ने मंगलवार को बताया कि जैसलमेर जिला मुख्यालय पर दो मिशनरी स्कूल हैं, जिनमें प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को क्रिसमस दिवस के दिन ईसाई धर्म के सबसे बड़े धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जाता है।

विद्यालय में पढ़ने वाले कुल विद्यार्थियों में 98 प्रतिशत विद्यार्थी हिंदू धर्म के हैं, लेकिन कभी भी कोई हिंदू त्यौहार (राम नवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, दीपावली, होली, रक्षाबंधन आदि) नहीं मनाये जाते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों और अभिभावकों से ज्ञात हुआ है कि फिलहाल आने वाले क्रिसमिस दिवस के अवसर पर विद्यालय द्वारा नाबालिग विद्यार्थियों को सेंटा क्लोज बनने के लिए दबाव डालकर मजबूर किया जा रहा है, जो कतई न्यायोचित नहीं है। सोढ़ा ने बताया कि उक्त धार्मिक आयोजन का शिक्षा एवं विद्यार्थियों से कोई संबंध नहीं होते हुए भी उनको उस आयोजन में भाग लेने को मजबूर किया जाता है। इस कार्यक्रम में सेंटा क्लॉज बनने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से कोई लिखित में स्वीकृति नहीं ली जाती है। क्रिसमिस दिवस के दिन दोनों विद्यालयों में पूर्ण रूप से ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार और धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने के लिये धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उक्त आयोजन में ईसाई धर्म को श्रेष्ठ एवं हिंदू धर्म के देवी देवताओं के प्रति घृणा/अपमान करने का कार्य कारित होता है।

उन्होंने कहा कि दोनों विद्यालयों में शिक्षा कम और धार्मिक शिक्षा, धर्मांतरण के लिए प्रोत्साहन, प्रलोभन, प्रेरित, हिंदू धर्म का अपमान करने का कार्य अधिक किया जाता है जो भारतीय न्याय संहिता की धारा 298,299, 300 एवं 302 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

ईआरसीपी योजना से राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र को मिलेगा पानी : भूपेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने सोमवार को अलवर जिले के राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, नयागांव माचाड़ी में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्रा-छात्राओं को सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री यादव ने सम्मानित हुए छात्रा-छात्राओं को शुभकामना देते हुए कहा कि इस क्षेत्र के बच्चे बड़े प्रतिभावान है और ये जीवन में तरक्की कर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पाड़ा, माचाड़ी और नयागांव तीनों ग्राम पंचायत के बीच में सांसद कोष से ईलाइब्रेरी और खेल मैदान का निर्माण कराया जाएगा, उसके लिए तीनों ग्राम पंचायत भूमि उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि सांसद बनने के बाद जब पहली बार बझेड़ा गांव में आए तो वहां के लोगों ने कहा कि काफी वर्षों से यहां केंद्रीय विद्यालय बनवाने की मांग चल रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए राजगढ़ में जल्द ही केंद्रीय विद्यालय बनवाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना में जिन ठेकेदारों ने अधूरे काम छोड़ दिए हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जो गांव डार्क जोन में हैं, उनमें भी पानी पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ईआरसीपी योजना कामें जो पानी आना था डीपीआर में राजगढ़ क्षेत्रा को भी शामिल कर दिया गया है, जिससे कि ईआरसीपी योजना का पानी राजगढ़ को भी मिलेगा । कार्यक्रम में अशोक गुप्ता, बन्नाराम मीणा, अंजली यादव सहित प्रबुद्ध व्यक्ति और ग्रामीण मौजूद रहे। इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री ने गणेश पोल स्थित रिद्धि-सिद्धि मंदिर में पूजा अर्चना की तथा राजगढ़ कस्बे के माचाडी चौक, चौपड़ बाजार में खुली जीप से अभिवादन करते हुए मालाखेड़ा दरवाजा पहुंचे। जहां उन्होंने कस्बे के मालाखेड़ा गेट का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि मालाखेड़ा दरवाजा राजगढ़ की ऐतिहासिक शान रहा है। उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में राजगढ़ के विकास में कार्य करूंगा और कदम से कदम मिलाकर चलूंगा।

कमांडो महेन्द्र सिंह शेखावत के सर्वोच्च बलिदान के लिए देश सदैव ऋणी रहेगा : राठौड़

जयपुर। राजस्थान सरकार में सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को मुंबई, महाराष्ट्र में अत्यंत दुर्भाग्यजनक नौका हादसे में कर्तव्य निर्वहन करते हुए वीरगति को प्राप्त मां भारती के अमर सपूत जयपुर ग्रामीण निवासी महेन्द्र सिंह शेखावत जी की शोकसभा में पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी और परिवारजनों को ढांढस बंधाया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, राजस्थान समेत पूरे भारतवर्ष को महेंद्र सिंह जी के अदम्य साहस और मां भारती के प्रति उनके समर्पण पर गर्व है। उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए देश सदैव ऋणी रहेगा।

'संविधान निर्माता बाबा साहब पर राजनीति शर्मनाक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संसद और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर चल रही राजनीति के बीच कांग्रेस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता बाबा साहब को न केवल अनदेखा किया, बल्कि उनके योगदान का बार-बार अपमान भी किया है। मुख्यमंत्री ने जयपुर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान निर्माता के नाम का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन उनके वास्तविक योगदान को कभी सम्मान नहीं दिया। बयान में यह भी जोड़ा गया कि कांग्रेस को शर्म करनी चाहिए और अपने इतिहास का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। बाबा साहब ने सामाजिक अधिकार और सशक्तिकरण के लिए जो कार्य किए, उन्हें कांग्रेस ने लगातार कमजोर किया। आरोपों में यह भी शामिल है कि कांग्रेस ने बाबा साहब के नाम का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया। इसके विपरीत, मौजूदा सरकार ने बाबा साहब की स्मृति को सम्मानित करने के लिए कई कदम उठाए, जैसे अंबेडकर सेंटर और अंबेडकर स्मृति स्थल का निर्माण। उन्होंने कहा कि विपक्ष की भूमिका और भारतीय राजनीति में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को लेकर एक बार फिर से सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष वह भूमिका नहीं निभा पा रहा है, जो आजादी के बाद से निभाई जानी चाहिए थी। बाबा साहब अंबेडकर, जो देश के पहले कानून मंत्री थे, ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए।

उत्तर प्रदेश में अटल स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन, विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के एक दिन पूर्व मंगलवार को यहां दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अटल जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ में 662 करोड़ रुपए की लागत से 181 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, अटल जी पांच बार लखनऊ से सांसद रहे। उन्होंने देश की राजनीति को अस्थिरता से स्थिरता की ओर अग्रसर किया और पं. दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय परिकल्पना को साकार किया।

योगी ने कहा कि वाजपेयी के कार्यों की प्रेरणा से यह अटल स्वास्थ्य मेला गरीबों और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा, अटल जी के नेतृत्व में 1998-99 में स्वास्थ्य मेलों की शुरुआत हुई थी, जो बीच में बाधित हो गई थी। अब इस परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए पिछले पांच वर्षों से अटल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2020 से 2023 के बीच इस मेले से 50 हजार से अधिक लोगों को लाभ मिला।

योगी ने वाजपेयी को भारतीय राजनीति का 'अजातशत्रु' बताते हुए कहा कि उनकी सहजता और सरलता ने सभी वर्गों का दिल जीता। योगी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में लखनऊ का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

योगी ने कहा कि मेले में कृत्रिम अंग, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर और 'ब्लाइंड स्टिक' जैसे सहायक उपकरण वितरित किए जा रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने अंबेडकर के 'अपमान' के लिए कांग्रेस पर साधा निशाना

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया और वह कभी नहीं चाहती थी कि अंबेडकर संसद में जाएं।

योगी ने यह भी दावा किया कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संविधान की मसौदा समिति में अंबेडकर को शामिल किए जाने के खिलाफ थे।

राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अंबेडकर के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस के देशव्यापी प्रदर्शन के बीच मंगलवार को यहां पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर योगी आदित्यनाथ ने जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

योगी ने कहा कि अंबेडकर ने देश में दलितों और वंचितों के लिए आशा की एक किरण जगाई। उन्होंने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा, कौन नहीं जानता है कि 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहब को मुंबई नॉर्थ से और फिर 1954 में उपचुनाव हराने का कार्य भी कांग्रेस ने ही किया था। पडित नेहरू बाबा साहब के विरोध में प्रचार करने गए थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया, कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि अंबेडकर संसद में जाएं। यह सबको पता है कि पंडित नेहरू नहीं चाहते थे कि बाबा साहब संविधान सभा का हिस्सा बनें।

लड़ाकू विमान तेजस का उत्पादन बढ़ाए, खरीद में तेजी लाए मंत्रालय : संसदीय समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायुसेना में 42 लड़ाकू स्क्वाड्रन की अधिकृत क्षमता के मुकाबले वर्तमान में केवल 31 सक्रिय लड़ाकू स्क्वाड्रन मौजूद होने पर चिंता जाहिर करते हुए संसद की एक समिति ने रक्षा मंत्रालय से तेजस का उत्पादन बढ़ाने और अनुबंधित लड़ाकू विमानों की खरीद में तेजी लाने की सिफारिश की है।

भाजपा सांसद राधामोहन सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा मंत्रालय संबंधी स्थायी समिति की 17 दिसंबर 2024 को संसद में पेश रिपोर्ट में इस मुद्दे पर गौर किया गया है। समिति को बताया गया है कि भारतीय वायुसेना की अधिकृत क्षमता 42 लड़ाकू स्क्वाड्रन है। लेकिन इस समय इसके पास 31 सक्रिय लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं। वायुसेना के पास मिग 21, मिग 23 और मिग-27 तथा अन्य विमानों का पुराना बेड़ा भी है, जो जल्द ही सेवा से बाहर होने जा रहे हैं, जिससे बल की स्क्वाड्रन ताकत में तेजी से कमी आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, समिति को यह भी बताया गया है कि भारतीय वायुसेना को तेजस एमके 1 के दो स्क्वाड्रन प्राप्त हुए हैं और इनका उपयोग शुरू हो गया है तथा इसने हाल ही में संपन्न अंतरराष्ट्रीय अभ्यास 'तरंग शक्ति' में भाग लिया था।

समिति ने यह भी पाया कि तेजस एमके-1ए कार्यक्रम में डिजाइन और विकास संबंधी मुद्दों के कारण देरी हुई है। रक्षा मंत्रालय ने समिति को यह भी बताया कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को तेजस का उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा गया है।

गौरतलब है कि तेजस भारत का नवीनतम एवं हर मौसम में उपयोग में आने वाला लड़ाकू विमान है जिसे वायुसेना के लिए तैयार किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वायुसेना ने अतिरिक्त 97 हल्के लड़ाकू (एलसीए एमकेआई -खए) विमानों की खरीद के मामले में भी प्रगति की है, जिसके लिए जरूरत की स्वीकार्यता (एओएन) का अनुमोदन किया गया है तथा प्रस्ताव के लिए आग्रह (आरएफपी) जारी किया जा चुका है। समिति को बताया गया है कि इन अधिग्रहणों के साथ, भारतीय वायुसेना के पास 220 एलसीए एमके-ख और एमके-खए विमान होंगे।

बीपीएससी परीक्षा की परीक्षा रद्द करने का सवाल ही नहीं उठताः बीपीएससी अध्यक्ष

पटना/भाषा। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने इस महीने की शुरुआत में हुई 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) 2024 को रद्द करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के आरोपों को लेकर विवादों में है। हालांकि, मनुभाई ने यह स्पष्ट किया कि बीपीएससी उन उम्मीदवारों की पुनः परीक्षा कराने जा रहा है, जिन्हें 13 दिसंबर को बापू परीक्षा परिसर केंद्र आवंटित किया गया था और कहा कि पुनः परीक्षा चार जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी।

बीपीएससी ने हाल में पटना के कुम्हरार इलाके में स्थित बापू परीक्षा केंद्र में आयोजित सीसीई की प्रारंभिक परीक्षा रद्द कर दी थी, जहां 13 दिसंबर को उम्मीदवारों द्वारा किए गए हंगामे के बाद ड्यूटी पर मौजूद एक अधिकारी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। बीपीएससी के अध्यक्ष मनुभाई ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए कहा, 13 दिसंबर को आयोजित पूरी बीपीएससी परीक्षा रद्द करने का कोई सवाल ही नहीं है। बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर केंद्र पर आयोजित प्रारंभिक परीक्षा को केवल इसलिए रद्द करने का फैसला किया क्योंकि परीक्षा को बाधित करने की साजिश के तहत कुछ उपद्रवी उम्मीदवारों ने व्यवधान उत्पन्न किया था। पुनर्परीक्षा चार जनवरी को शहर के किसी अन्य केंद्र पर होगी। उन्होंने बताया कि चार जनवरी की परीक्षा में करीब 12,000 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

संभल के चंदौसी में चौथे दिन भी बावड़ी की खुदाई जारी, सुरक्षा में अब पीएसी के कर्मी होंगे तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी में खुदाई के दौरान मिली लगभग 150 साल पुरानी बावड़ी की चौथे दिन भी खुदाई जारी है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खुदाई वाली जगह भीड़ इकट्ठा होने के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था में अब प्रादेशिक आर्म्ड कांस्टेबुलरी (पीएसी) के जवानों की तैनाती होगी।

संभल में 13 दिसंबर को लगभग 46 साल से बंद भस्म शंकर मंदिर के फिर से खुलने के बाद यह खुदाई की जा रही है। संभल में चंदौसी के लक्ष्मण गंज इलाके में 21 दिसंबर को खुदाई के दौरान लगभग 150 साल पुरानी और 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली बावड़ी मिली है। चंदौसी नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी (ईओ) कृष्ण कुमार सोनकर ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि बावड़ी की खुदाई को चौथा दिन है। उन्होंने कहा, अभी तक मिट्टी ऊपर थी तो जेसीबी और ट्रैक्टर लगाकर मिट्टी हटाई गई। अब नीचे बावड़ी का निर्माण दिखने लगा तो श्रमिकों को लगाकर फावड़े से मलबा और मिट्टी हटाई जा रही है। सोनकर ने कहा कि परत दर परत क्या निकलेगा, अभी कहना मुश्किल है, वैसे अभी तक बावड़ी में कमरे ओर सीढ़ियां मिली हैं। खुदाई में आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लगभग 50 लोग काम कर रहे हैं, लेकिन भीड़ होने से दिक्कत हो रही है और काम करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा, सुरक्षा व्यवस्था में अब पीएसी की तैनाती होगी। अंदर रोशनी की भी समस्या है उसका भी इंतजाम किया जा रहा है। अंदर ऑक्सीजन की कमी भी है, इसके लिए मेडिकल टीम की भी व्यवस्था की जा रही है। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने रविवार को कहा था कि इस स्थल पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वेक्षण कराने की संभावना पर विचार किया जा रहा है, और यदि आवश्यक हुआ तो इस संबंध में एएसआई से अनुरोध किया जा सकता है।

संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने का सवाल ही नहीं: मणिपुर के कानून मंत्री

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कानून मंत्री टी. बसंत कुमार सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया कि राज्य सरकार ने विधानसभा का शीतकालीन सत्र आहूत न करके संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि संविधान का अनुच्छेद 174 कहता है कि राज्य विधान मंडल के दोनों सदनों की बैठक साल में कम से कम दो बार बुलायी जानी चाहिए और अंतिम बैठक और अगले सत्र के लिए नियत तिथि के बीच छह महीने का अंतर नहीं होना चाहिए। बजट और शरदकालीन सत्र इस साल की शुरुआत में आयोजित किए गए थे। उन्होंने कहा, मणिपुर कांग्रेस का यह आरोप कि संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है, झूठा है। 2002 से 2016 तक ओ इबोबी सिंह के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, पांच बार ऐसे मौके आए जब एक कैलेंडर वर्ष में दो बार विधानसभा सत्र आयोजित किए गए। राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने का कोई सवाल ही नहीं है।

मैं भी चिटफंड घोटाले का पीड़ितः माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को दावा किया कि वह भी 'चिटफंड' घोटाले के पीड़ित हैं और उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह अपनी मेहनत की कमाई को बचाने के लिए 'पोंजी कंपनियों' की गतिविधियों को लेकर सतर्क रहें। यहां राज्य स्तरीय राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए माझी ने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं भी 'चिटफंड' घोटाले का पीड़ित हूं। 1990 और 2002 में दो कंपनियों ने मेरे साथ ठगी की थी। उन्होंने कहा कि वह अपना धन वापस नहीं पा सके क्योंकि पैसा वसूली की प्रक्रिया बहुत लंबी और जटिल थी। अपना अनुभव बताते हुए माझी ने कहा कि वे 'पोंजी फर्म' के 'एजेंट' की मीठी बातों में आ गए और उन्होंने कुछ योजनाओं में जमा करने के लिए रुपयों का इंतजाम कर लिया। उन्होंने कहा, हालांकि, जब परिपक्वता का समय आया तो मुझे वह कंपनियां मिली ही नहीं जिनमें रुपए जमा किए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि अब काफी बदलाव आ चुका है, क्योंकि केंद्र ने उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी तथा ठगी रोकने के लिए नियम बनाए हैं और उन्हें मजबूती प्रदान की है।

अंबेडकर पर शाह के बयान को लेकर कांग्रेस का ओडिशा समेत कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस ने बाबासाहेब अंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए कथित विवादास्पद बयान को लेकर मंगलवार को ओडिशा, असम, तेलंगाना, झारखंड और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन किया और उनके इस्तीफे की मांग की।

कांग्रेस की ओडिशा इकाई ने मंगलवार को राज्य भर में 'अंबेडकर सम्मान मार्च' निकाला। अंबेडकर के पोस्टर और तस्वीरें लेकर कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने भुवनेश्वर, कोरापुट, ढेंकनाल और मल्कानगिरी में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने शाह पर पिछले हफ्ते राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम), भुवनेश्वर के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें शाह से माफी और इस्तीफे की मांग की गई है। इस बीच, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की भुवनेश्वर इकाई ने भी इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया और शाह का पुतला जलाया। माकपा के राज्य सचिव सुरेश पाणिग्रही ने गृह मंत्री की टिप्पणियों की निंदा करते हुए इसे 'अत्यधिक दुर्भाग्यपूर्ण, आदिवासी विरोधी और दलित विरोधी' करार दिया। कांग्रेस की झारखंड इकाई ने शाह की हालिया टिप्पणी के विरोध में सभी जिला मुख्यालयों में मार्च निकाला।

विविधता से एकता की ओर : मणिपुर पुलिस के जवानों ने साथ मिलकर सेवा का लिया संकल्प

डेरगांव (असम)/भाषा। एक साथ खाना खाने से लेकर मैदान में दिनभर की कड़ी मेहनत के बाद हल्के-फुल्के पलों को साझा करने तक, मणिपुर पुलिस के विभिन्न समुदायों से करीब 2,000 नवनियुक्त कर्मियों ने असम में अपने साल भर के कठोर प्रशिक्षण के दौरान घुलमिलकर अच्छी यादें बनाईं। वे अब शांति और प्रेम का संदेश लेकर जातीय संकट का सामना कर रहे अपने राज्य में लौटेंगे। सोमवार को यहां लाचित बड़फुकन पुलिस अकादमी से मेइती, कुकी, नगा, मुस्लिम और अन्य समुदायों के मणिपुर पुलिस के कुल 1,946 रंगरूट स्नातक हुए। इन पुलिसकर्मियों के साथ हिंसा प्रभावित मणिपुर में पुलिस बल को मजबूती मिलेगी।

विभिन्न समुदायों से आए नवनियुक्त कर्मियों ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में एक सुर में कहा कि उन्होंने इस वर्ष जनवरी से भाइयों की तरह प्रशिक्षण लिया है और अब वे संघर्षरत समूहों के बीच शांति और प्रेम का संदेश फैलाने के लिए एक साथ मणिपुर की सेवा करने को तैयार हैं। मेइती समुदाय के एस प्रेमानंद ने कहा, हमने यहां एक साथ प्रशिक्षण लिया। कैडेट में मणिपुर में रहने वाले सभी समुदायों के लोग शामिल थे।

झारखंडः धनबाद में मूक-बधिर महिला से दुष्कर्म, भीड़ ने आरोपी के घर में आग लगा दी

धनबाद (झारखंड)/भाषा। झारखंड के धनबाद जिले में एक व्यक्ति ने मूक-बधिर महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया, जिसके बाद आक्रोषित भीड़ ने आरोपी के घर को आग लगा दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपी ने रविवार शाम को महिला को कथित तौर पर अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी ने बताया, आरोपी ने उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया और सोमवार सुबह उसे छोड़ दिया। पीड़िता ने अपने माता-पिता को सांकेतिक भाषा में पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। परिजन ने पुलिस को बताया कि उन्होंने रविवार देर रात तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं लगा। सोमवार सुबह इस खबर के फैलते ही लोगों ने आरोपी के घर का घेराव कर लिया और उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटनः एम रघु और देविका सिहाग को खिताब

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के एम रघु और हरियाणा की देविका सिहाग ने मंगलवार को यहां 86वीं राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहली बार क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीते। रघु ने बेहद करीबी फाइनल में पूर्व चैंपियन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए एक घंटे से कुछ कम समय में 14-21, 21-14, 24-22 से जीत दर्ज की। देविका ने सत्र का शानदार अंत करते हुए फॉर्म में चल रही श्रियांशी वलिशेट्टी को सीधे गेम में 21-15, 21-16 से हराकर महिला एकल खिताब जीता। जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन अर्श मोहम्मद और संस्कार सारस्वत ने पुरुष युगल फाइनल में उलटफेर करते हुए नवीन पी और लोकेश वी की शीर्ष वरीय जोड़ी को 21-12, 12-21, 21-19 से हराया। मिश्रित युगल में आयुष अग्रवाल और श्रुति मिश्रा जबकि महिला युगल में आरती सारा सुनील और वर्षिणी वीएस की दूसरी वरीय जोड़ी चैंपियन बनी।

पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, चार अन्य की जमानत याचिका खारिज

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने विद्यालयों में भर्ती में कथित अनियमितताओं से संबंधित केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के एक मामले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और चार अन्य पूर्व अधिकारियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।

न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती ने चटर्जी के अलावा, पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के पूर्व अध्यक्ष सुबीरेश भट्टाचार्य, राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमय गांगुली, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष एस. पी. साहा और एसएससी के पूर्व सचिव अशोक साहा की जमानत याचिकाएं भी खारिज कर दीं।

आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद बनाते हैं: रोहित ने कोहली का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

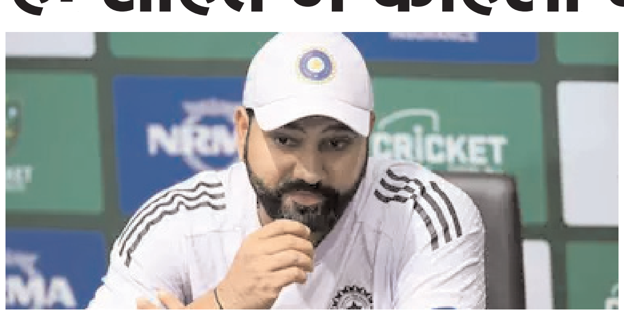

मेलबर्न/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर विराट कोहली के संघर्ष को लेकर चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए टीम में लंबे समय के अपने साथी का पूर्ण समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा, आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपने रास्ते को खुद तय कर लेते हैं'।

ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे पर कोहली ने पांच पारियों में पांच, 100 नाबाद, सात, 11 और तीन रन बनाये है। इस दौरान उनका औसत 31.50 रन का रहा है। जब उनसे कोहली के संघर्षों के बारे में सवाल पूछा गया तो चेहरे पर मुस्कान के साथ इसका जवाब दिया। जब एक पत्रकार ने रोहित से पूछा कि खराब दौर से गुजर रहे मौजूदा युग के किसी महान खिलाड़ी को आप सलाह देना पसंद करेंगे या उनके हालात पर छोड़ देंगे। भारतीय कप्तान ने कहा, आप ने ही कहा कि वह मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी है। मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद तय कर लेते हैं। कोहली एमसीजी में नेट अभ्यास सत्र में भाग लेने वाले सबसे शुरुआती बल्लेबाजों में से एक थे और रोहित प्रमुख बल्लेबाजों में सबसे आखिरी में अभ्यास करने पहुंचे। भारतीय कप्तान ने आखिरी 20 मिनट में सिर्फ दो शॉट खेले और बाकी गेंदों को विकेट के पीछे जाने दिया। वह गेंद पर आक्रमण करने की अपनी नैसर्गिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की कोशिश करते दिखे। अभ्यास के दौरान रोहित गेंदबाजों खासकर हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा से चौथे स्टंप की लाइन में गेंदबाजी करने को कहा। इस दौरान वहां लगभग 500 की संख्या में मौजूद प्रशंसकों में से किसी ने कहा, रोहित भाई पुल मारो ना। रोहित से जब उनकी बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, इसके बारे में चिंता न करें। मुझे लगता है कि कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इस बारे में हमें टीम के अंदर चर्चा करनी चाहिए। मुझे हर संवाददाता सम्मेलन में इस सवाल का जवाब नहीं देना चाहिए। टीम में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जगह तनुष कोटियान के चयन के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने एक बार फिर चुटिले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने चेहरे पर बड़ी मुस्कान के साथ कहा, कुलदीप के पास वीजा नहीं है।

बल्लेबाजी के दौरान क्रीज पर शुरुआती आधे घंटे सतर्क रहें : गावस्कर की पंत को सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

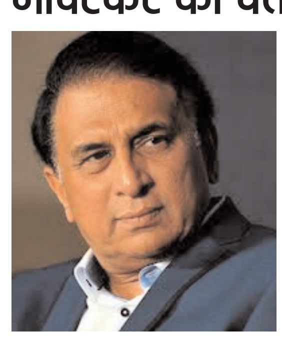

मेलबर्न/भाषा। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैचों में आक्रामक स्ट्रोक खेलने से पहले परिस्थितियों का सम्मान करने की सलाह दी है।

ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर गाबा में मैच जिताऊ पारी खेलने के साथ भारत की श्रृंखला जीत के नायकों में शामिल रहे पंत मौजूदा दौरे पर अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। इस 27 साल के खिलाड़ी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में 37, एक, 21, 28 और नौ का स्कोर बनाया है। आक्रामक रवैये के लिए जाने जाने वाले पंत ज्यादातर मौके पर मैच की स्थिति की परवाह किए बिना आक्रामक शॉट खेलने को प्राथमिकता दी है। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला में एडीलेड में खेले गए दिन-रात्रि टेस्ट में पारी की पहली ही गेंद पर तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने के उनके साहसिक फैसले ने ध्यान आकर्षित किया था। गावस्कर ने कहा, पंत को वही करने की जरूरत है जो सभी के लिए जरूरी है। शुरुआती आधे घंटे का सम्मान करें। क्रीज पर पहुंचने के बाद चाहे जैसी परिस्थिति हो सावधानी से बल्लेबाजी करते हुए थोड़ा समय बिताये। अगर भारतीय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 525 रन के आसपास हो तो वह अपने तरीके से बल्लेबाजी कर सकते हैं।

सुविचार

भगवान के कृपा की हवा तो हमेशा ही बह रही है, ये हमारे हाथ में है कि हम अपनी नाव की पाल चढ़ायें और ईश्वरीय कृपा की दिशा में बढ़ जायें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गाढ़ी कमाई, मिनटों में गंवाई

'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर हो रहीं साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा काफी कोशिशों के बावजूद ऑनलाइन ठगों की पौ–बारह जारी है। वे रोजाना ही शिकार ढूंढ़ लेते हैं। बेंगलूरु में तो एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उससे 11.8 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी कर ली। जब इतने उच्च शिक्षित और तकनीक के जानकार से रुपए ऐंठे जा सकते हैं तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? देश में डिजिटल अरेस्ट की इतनी घटनाएं हो चुकी हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में इसका उल्लेख किया और लोगों से अपील की कि वे जागरूक रहें। इसके बावजूद रोजाना ही ठगी की घटनाएं हो रही हैं। हालांकि टेलीकॉम कंपनियां फर्जी कॉल को रोकने के लिए खूब कोशिशें कर रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ऐसे अकाउंटस को ब्लॉक कर रहे हैं, जिनका इस्तेमाल ठगी की घटनाओं को अंजाम देने में हुआ है। फिर भी लोगों के बैंक खातों में सेंध लग रही है। उनकी मेहनत की कमाई पर साइबर अपराधी डाका डाल रहे हैं। अगर पिछले कुछ महीनों में डिजिटल अरेस्ट की चर्चित घटनाओं पर गौर करें तो इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि साइबर ठगों ने उच्च शिक्षित और संपन्न लोगों को खूब लूटा। उन्होंने सामान्य लोगों को भी निशाना बनाया। ऐसे लोगों के पास भी साइबर ठगों के फोन कॉल आए, जिन्हें इंटरनेट, डिजिटल बैंकिंग आदि की अधिक जानकारी नहीं थी और न उनके पास ज्यादा रुपए थे। इस तरह वे साइबर अपराधियों से काफी सुरक्षित रहे। वहीं, जिन्हें तकनीक की पर्याप्त जानकारी है, जिनके बैंक खातों में लाखों–करोड़ों रुपए हैं, वे अपनी जमा–पूंजी लुटा बैठे। यह देखकर आश्चर्य होता है कि सेना, पुलिस और बैंक से सेवानिवृत्त अधिकारी भी इनके झांसे में आ गए। उत्तर प्रदेश में एक महिला डॉक्टर से करोड़ों रुपए की ठगी हुई। जोधपुर में एक प्रोफेसर के लाखों रुपए इसी तरह ठगों के पास चले गए।

क्या उच्च शिक्षित वर्ग को यह पता नहीं कि साइबर ठग कितने शातिर हो गए हैं और नए–नए पैंतरे आजमाकर अपना जाल फैला रहे हैं? वास्तव में मामला सामान्य शिक्षित और उच्च शिक्षित वर्ग का नहीं है। अब डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वही लोग धोखा खा रहे हैं, जो रोजाना खबरें नहीं पढ़ते हैं। यह हकीकत है। ऐसे लोगों की तादाद बहुत बड़ी है, जिनकी देश–दुनिया की खबरों में कोई रुचि नहीं है। इसकी एक वजह उनके दैनिक जीवन की व्यस्तता हो सकती है। ऐसे में वे खबरें पढ़ने के लिए पंद्रह मिनट भी नहीं निकालते। हालांकि यह कोई असंभव काम नहीं है। अगर ये लोग रोजाना कुछ मिनट खबरें पढ़ने में लगाते तो इनकी वर्षों की कमाई सुरक्षित रहती। हमने अनेक बार लिखा है कि डिजिटल अरेस्ट एक धोखा है। हमारे देश के कानून में किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए जो कोई फोन पर इस तरह की धमकी दे, उससे न डरें, न कोई निजी जानकारी साझा करें और न ही कोई रकम भेजें। अब तो सरकार ऑनलाइन हेल्पलाइन चला रही है, जहां आप इन ठगों की तुरंत शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके बावजूद लोगों को पता नहीं है और वे शिकार हो रहे हैं तो इसका मतलब यही है कि वे खबरों पर नजर नहीं रखते। भारत में डिजिटल अरेस्ट संबंधी कपट धंधे के तार पाकिस्तान और कंबोडिया से जुड़े हुए हैं। हम पूर्व में इसका खुलासा कर चुके हैं। पाकिस्तानी ठगों की शब्दावली क्या होती है, इसका उल्लेख 4 नवंबर को यहीं ('लाहौरी गैंग के डिजिटल पैंतरे' शीर्षक से) किया गया था। जिन्होंने वह शब्दावली ध्यान से पढ़ी होगी, उनकी जानकारी में निश्चित रूप से बहुत बढ़ोतरी हुई होगी। डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी की अन्य घटनाओं से सुरक्षित रहने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि सही जानकारी प्राप्त करें, जागरूक रहें और जागरूकता का प्रसार करें।

ट्वीटर टॉक

आज नई दिल्ली स्थित जोधपुर हाउस में मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों राज्यों के बीच चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, पारस्परिक सहयोग एवं आर्थिक संबंधों के विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

–भजनलाल शर्मा

देश के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं निर्माता व पटकथा लेखक श्री श्याम बेनेगल जी का निधन सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने की शक्ति दें।

–दीया कुमारी

पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 'अटल युवा महाकुम्भ' के उद्घाटन हेतु माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के साथ आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सहभाग किया।

–योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

सदाचार-सहिष्णुता से कृपा

एक दिन देवर्षि नारद ने भगवान श्रीनारायण से प्रश्न किया, 'भगवान! देवी भगवती की कृपा प्राप्त करने का अधिकारी कौन होता है?' भगवान श्रीनारायण ने कहा, 'आचार ही सबसे प्रथम धर्म है। भगवती की आराधना करने वाले को सदैव सदाचार का पालन करना चाहिए। यही आयु, धन, संपत्ति और सुख की प्राप्ति का कारण बनता है। देवी के उपासक को ब्रह्म मुहूर्त में जागकर आचार संबंधी नियमों का पालन करना चाहिए। वह समय सोने वालों के लिए निष्फल होता है। प्रातःकालीन स्नान के बाद संध्या वंदन और गायत्री मंत्र का जाप करने वाला व्यक्ति ब्रह्म की अनुभूति करता है और उसे अनूठा सुख–संतोष प्राप्त होता है। वह देवी भगवती का आशीर्वाद प्राप्त करता है।' भगवान श्रीनारायण ने आगे कहा, 'लोगों को धर्ममय जीवन बिताना चाहिए, दुष्टों की संगति का त्याग करना चाहिए, और दान करते रहना चाहिए। दया के समान कोई पुण्य नहीं है और हिंसा के समान कोई पापकर्म नहीं है। जो सभी प्राणियों के प्रति दया भाव रखता है, अतिथियों को संतुष्ट करता है, और वृद्धों तथा माता–पिता की सेवा करता है, उस पर देवी भगवती शीघ्र ही प्रसन्न हो जाती हैं।'

सामयिक

अप्रतिम नेता अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत का जश्न

डॉ. सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

भारत में हर साल 25 दिसम्बर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में सुशासन दिवस मनाया जाता है। पहली बार 2014 में मनाया गया यह दिवस पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुँचे। अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रमुख भारतीय राजनेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य थे। अपनी वाक्पटुता और काव्य कौशल के लिए जाने–जाने वाले, उन्हें उनके उदार राजनीतिक विचारों और आम सहमति बनाने के प्रयासों के लिए पार्टी लाइनों से परे सम्मान दिया जाता था। वाजपेयी का राजनीतिक करियर पाँच दशकों से अधिक समय तक चला, जिसके दौरान उन्होंने भारत की घरेलू और विदेश नीतियों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के सम्मान में, उन्हें 2015 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

25 दिसम्बर, 1924 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रतिष्ठित राजनेता, कवि और वक्ता थे। उन्होंने तीन बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया और देश के विकास पथ पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनके कार्यकाल में महत्त्वपूर्ण आर्थिक सुधार, स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ और भारत की वैश्विक स्थिति में सुधार के प्रयास शामिल थे। वाजपेयी के नेतृत्व की विशेषता लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी, जो उनकी जयंती को सुशासन दिवस मनाने का एक उपयुक्त अवसर बनाती है। सुशासन दिवस 2024 न केवल वाजपेयी की विरासत का स्मरण करता है, बल्कि नागरिकों और अधिकारियों से देश के समग्र विकास के लिए पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी शासन को बढ़ावा देने का आग्रह भी करता है।

25 दिसम्बर, 2024 का सुशासन दिवस विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती है। इस मील के पत्थर को मनाने के लिए, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने 19 से 24 दिसम्बर, 2024 तक चलने वाले 'प्रशासन गाँव की ओर' नामक एक सप्ताह के अभियान की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शासन को जमीनी स्तर पर लाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासनिक सेवाएँ ग्रामीण आबादी तक पहुँच सकें। सुशासन दिवस पारदर्शी, जवाबदेह और लोगों की ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी शासन के महत्त्व की याद दिलाता है। सुशासन सार्वजनिक संसाधनों और संस्थानों को ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से, भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग के बिना प्रबंधित करने की एक प्रक्रिया है। यह सुनिश्चित करता है कि कानूनों का पालन किया जाए, मानवाधिकारों की रक्षा की जाए और समाज की ज़रूरतों को पूरा किया जाए। इसका उद्देश्य नागरिकों की प्रभावी रूप से सेवा करने और शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ज़िम्मेदारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। भारतीय राजनीति में उनके योगदान और पारदर्शी और जवाबदेह सरकार के लिए उनके दृष्टिकोण को मान्यता देना। जागरूकता को बढ़ावा देना, नागरिकों को सुशासन के महत्त्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना। जनता की प्रभावी और नैतिक रूप से सेवा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मज़बूत करना। इसे किसी संगठन या समाज के भीतर निर्णय लेने और लागू करने की प्रक्रिया के

रूप में परिभाषित किया जा सकता है। शासन केवल व्यवस्था बनाए रखने के लिए ही आवश्यक नहीं है; यह उद्देश्यों को प्राप्त करने और समुदाय या समूह की आवश्यकताओं को सम्बोधित करने में भी मदद करता है। विश्व बैंक के अनुसार, सुशासन वह तरीक़ा है जिसमें विकास के लिए किसी देश के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्ति का प्रयोग किया जाता है। संस्थाओं को इस तरह से संचालित होना चाहिए कि दूसरों के लिए यह देखना आसान हो कि क्या कार्य किए जा रहे हैं। यह भ्रष्ट आचरण को भी रोकता है। शासक वर्ग को लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। इससे लोगों और पूरे समाज की बेहतरी सुनिश्चित होगी।

शासी संस्थाओं को लोगों की चिंताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और उचित समय के भीतर उनकी ज़रूरतों को पूरा करना चाहिए। समाज के सभी वर्गों के लोगों को बिना किसी भेदभाव के सुधार के लिए समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। निर्णय समाज के एक बड़े वर्ग की सहमति से लिए जाने चाहिए, ताकि यह किसी के लिए हानिकारक न हो। उपलब्ध संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए ताकि ऐसे परिणाम प्राप्त हों जो उनके समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करें। प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों को बनाए रखने के लिए कानूनी ढांचे को निष्पक्ष तरीके से लागू किया जाना चाहिए। समाज के लोगों को वैध संगठनों या प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी राय व्यक्त करने में सक्षम होना चाहिए। इसमें कमजोर और पिछड़े समूह भी शामिल हैं। सुशासन प्रथाएँ जनता के हितों को बनाए रखने में मदद करती हैं। सुशासन किसी संगठन को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए मौजूदा संसाधनों का इष्टतम और कुशल उपयोग करने में सक्षम बनाता है। सुशासन प्रथाएँ शक्ति और पद के अत्यधिक उपयोग के विरुद्ध जाँच और संतुलन भी सुनिश्चित करती हैं।

शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी तभी प्राप्त की जा सकती है जब सुशासन प्रथाओं को लागू किया जाए। सुशासन दिवस विभिन्न पहलों के माध्यम से नैतिक शासन, पारदर्शिता और नागरिक भागीदारी पर ज़ोर देता है। इन पहलों का उद्देश्य प्रशासन को अधिक कुशल, जवाबदेह और नागरिक–केंद्रित बनाना है। ई–गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता और सरकारी सेवाओं तक निर्बाध पहुँच को बढ़ावा देता है। नागरिकों को सार्वजनिक सूचना तक पहुँचने के लिए सशक्त बनाकर पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। सरकारी परियोजनाओं पर प्रतिक्रिया प्रदान करके नीति निर्माण में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। पूरे भारत में स्वच्छता, सफ़ाई और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। लाभार्थियों को सीधे सब्सिडी हस्तांतरित करता है, भ्रष्टाचार को कम करता है और लक्षित वितरण सुनिश्चित करता है। कुशल शासन के लिए देरी को सम्बोधित करते हुए सरकारी परियोजनाओं के समय पर निष्पादन की निगरानी करता है।

ज्ञान विज्ञान

पार्कर ने रचा इतिहास, सूर्य के सबसे नजदीक पहुंचने वाला बना पहला स्पेसक्राफ्ट

नासा के सोलर प्रोब पार्कर ने नया इतिहास रच दिया है। शाम ठीक 5 बजकर 10 मिनट पर अमेरिकन स्पेस एजेंसी का यह स्पेसक्राफ्ट सूर्य के सबसे नजदीक से गुजरा। यह इंसानों का बनाया पहला ऐसा स्पेसक्राफ्ट है जो सूर्य के इतने नजदीक पहुंचा है। छ–ड– के मुताबिक यान की सूरज से दूरी सिर्फ 61 लाख किमी रही। इससे पहले जो यान सूर्य के सबसे नजदीक गया था वह तकरीबन 4।3 करोड़ किलोमीटर दूर से गुजरा था। पार्कर उससे तकरीबन 7 गुना ज्यादा नजदीक पहुंचा। सूरज की धरती से दूरी तकरीबन 15 करोड़ किलोमीटर है, अब तक दुनिया में जितने भी सूर्य मिशन लांच हुए हैं, वह सूरज से करोड़ों किलोमीटर दूरी से ही इसके रहस्य को खंगालते रहे हैं। सूर्य मिशनों के अब तक के इतिहास जो स्पेसक्राफ्ट तारे के सबसे नजदीक गया था वह छ–ड– का ही हिलियोस–2 था जो 1976 में सूर्य से तकरीबन 4।3 करोड़ किलोमीटर की दूरी से गुजरा था।

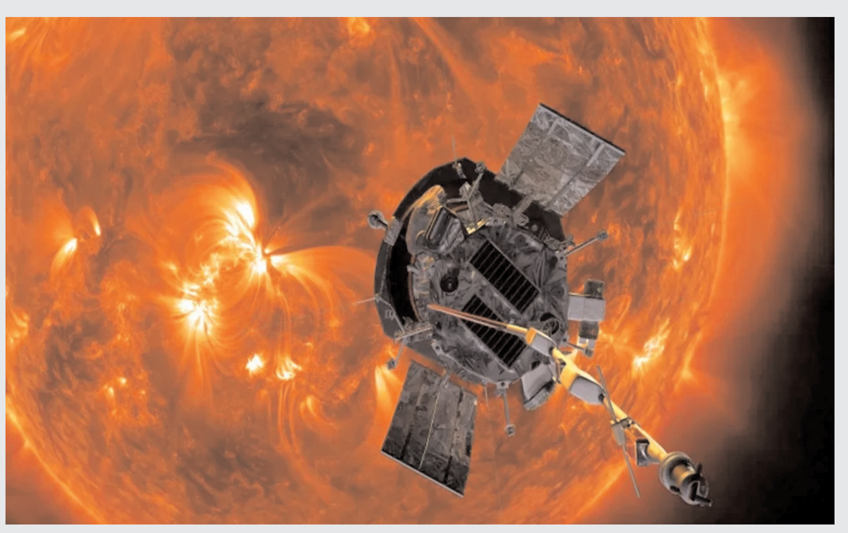

सूरज के सबसे नजदीक पहुंचा छ–ड– का ये स्पेसक्राफ्ट मंगलवार को जब सूर्य के सबसे नजदीक पहुंचा तब इसकी स्पीड 6 लाख 92 हजार 17 किलोमीटर प्रति घंटा थी जो 190 किमी प्रति सेकेंड की स्पीड से ज्यादा है। छ–ड– का दावा है कि यह अब तक बनाए गए किसी भी इंसानी ऑब्जेक्ट की तुलना में इसकी गति सबसे ज्यादा है। जो एक नया रिकॉर्ड भी है। नासा के मुताबिक अब तक किसी भी तारे के इतने नजदीक और इतनी स्पीड से कोई भी स्पेसक्राफ्ट नहीं गुजरा है।

नासा के मुताबिक यह स्पेसक्राफ्ट 1371 डिग्री सेल्सियस तक तापमान झेल सकता है, जब है सूर्य के पास से गुजरा तब इसका तापमान तकरीबन 982 डिग्री सेल्सियस यानी तकरीबन 1800 फारेनाइट के आसपास रहा था। यह मिशन अगले तीन दिन सूरज के वातावरण में रहेगा। सूरज के इस इलाके को पेरिहेलियन कहा जाता है। अब तक यह स्पेसयान 21 बार सूरज के चक्कर लगा चुका है, लेकिन पहली बार इतना नजदीक पहुंचा है।

सूरज फिलहाल अपनी सबसे सक्रिय अवस्था में है, जिसे सोलर मैक्सिमम कहा जाता है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह यान सूरज के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां जुटा सकता है, हालांकि ये यान नासा तक इन जानकारियों को तुरंत नहीं पहुंचा पाएगा, वो इसलिए क्योंकि फिलहाल ये नासा के संपर्क से बाहर है और सूरज के वातावरण से बाहर निकलते ही यह एक बार फिर 27 दिसंबर को नासा से संपर्क स्थापित कर लेगा, उसके बार जानकारियां भेजेगा।

नासा का सोलर प्रोब पार्कर अगले साल फिर सूरज के नजदीक जाएगा। नासा के मुताबिक अगले साल यह स्पेसक्राफ्ट तकरीबन 2 बार सूरज के नजदीक तक पहुंचेगा। हालांकि सूरज से इसकी दूरी कितनी होगी इस बारे में नासा की ओर से जानकारी नहीं दी गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पेसक्राफ्ट में अभी इतना फ्यूल बचा है कि ये एक साल तक चल सके।

नासा का यह सोलर प्रोब मिशन 6 साल पहले 2018 में लॉन्च किया गया था जो अब तक सबसे तेज गति वाला मिशन है। लॉन्चिंग के 85 दिन बाद 5 नवंबर को यह सूरज की कक्षा में पहुंच गया था। 7 साल लंबे इस मिशन में यान को सूरज के कु तक यह 21 बार सूर्य के चक्कर लगा चुका था। आज इसने 22 वां चक्कर पूरा कर लिया है। अगले साल यह फिर सूरज के 2 चक्कर लगाएगा।

नजरिया

कुवैत से रिश्तों की नई परिभाषा

विजय श्रीवास्तव
मोबाइल : 9314933798

कुवैत के साथ भारत के रिश्ते कैसे हैं, इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों देशों के बीच 2023-24 में 10.47 अरब डॉलर का कारोबार हुआ। इस कारोबार में तेल और ऊर्जा उत्पाद का बड़ा हिस्सा है। कुवैत भारत को तेल आपूर्ति करने वाला छठा सबसे बड़ा तेल देश है। बहरहाल भारत ने अपने दोतरफा रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी में बदलने का काम किया है, जिसमें एक तरफ हम उनसे कच्चा तेल ले रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ भारत के कामगार वहां काम कर रहे हैं।

भारत जैसे उभरते देश ने अपनी मेहनत, कड़े परिश्रम, संवेदनशीलता और मधुर संबंधों के साथ–साथ व्यापारिक संबंधों की भी नई परिभाषा लिखी है। अगर कुछ देशों को छोड़ दें तो भारत के किसी भी देश के साथ संबंधों में कड़वाहट नहीं है। हालांकि जिन देशों के साथ भारत की कड़वाहट है, उसके लिए भारत दोषी नहीं है। हाल ही में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा मजबूत साझेदारी और साझा दृष्टिकोण पर आधारित होकर सतत विकास को बढ़ावा देने के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का भी लक्ष्य रखती है। दोनों देशों के आला नेताओं की इस मुलाकात ने संयुक्त राष्ट्र सुधारों और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की कुवैत यात्रा से भारत लौट आए हैं और वहां से वे अपने साथ लेकर आए हैं जबरदस्त आत्मविश्वास और एक बेहतरीन साझेदारी की सौगात। पीएम मोदी का कुवैत पहुंचने पर न सिर्फ सम्मान हुआ, बल्कि ऐसा पहली बार है जब किसी भारतीय पीएम को कुवैत ने अपने देश के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से नवाजा है। मोदी को यह सम्मान कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल–अहमद अल–जबर अल–सबा ने दिया। पीएम मोदी को किसी देश से मिलने वाला ये 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर अवॉर्ड है। यह दोस्ती की निशानी के तौर पर राष्ट्राध्यक्षों–विदेशी शासकों और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को कुवैत में दिया जाता है। मोदी से पहले इस पुरस्कार से बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे नेताओं को नवाजा जा चुका है।

ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी से पहले कुवैत जाने की कोई मनाही थी या कुवैत से हमारे कोई व्यापारिक संबंध नहीं हैं, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी के लिए कुवैत एयरपोर्ट पर रेड कॉर्पेट बिछाकर स्वागत किया गया। भारत के पीएम की यह यात्रा अरब के देशों के साथ अपने संबंध और मधुर एवं मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच मजबूत कारोबारी और सांस्कृतिक रिश्ते पहले से ही बरकरार हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भारत से कुवैत के चार घंटे के सफर को पूरा करने में भारत को चार दशक यानी कि 40 साल लग गए। पीएम मोदी से पहले सिर्फ इंदिरा गांधी एकमात्र भारत की प्रधानमंत्री थीं, जो कुवैत दौरे पर गई थीं। उनके बाद हमारे व्यापारिक संबंध तो कुवैत से बने रहे, लेकिन कोई भारतीय प्रधानमंत्री कुवैत नहीं पहुंच पाया।

प्रधानमंत्री मोदी शायद इसीलिए दुनियाभर में सबसे शक्तिशाली प्रधानमंत्रियों में शुमार हैं, क्योंकि उन्हें रिश्ते बनाने आते हैं और दूसरी सबसे बड़ी बात उन्हें भुनाना भी आता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की वजह से आज विश्व पटल पर भारत सबसे विकासशील देशों की श्रेणी में शामिल है। पीएम मोदी की दूरदृष्टि और कूटनीति के चलते आज दुनिया की महाशक्ति माने जाने वाले देश रूस और अमेरिका भी भारत को विश्व मंच पर विशेष दर्जा देते हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा से फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, फिनटेक, इन्फ्रास्ट्रक्चर और सिक्योरिटी जैसे विषयों पर साझेदारी दोनों देशों के बीच और बढ़ेगी। साथ ही कुवैत और भारत के रिश्तों को नई दिशा मिलेगी। मोदी की कुवैत यात्रा के बाद दोनों देशों में न सिर्फ घनिष्ठ संबंध और अच्छे होंगे, बल्कि इससे रणनीतिक साझेदारी भी होने की संभावना है। पीएम मोदी की यह यात्रा भारत–कुवैत के संबंधों को आर्थिक और रणनीतिक स्तर पर नई ऊंचाई प्रदान करेगी। भारत जैसे विकासशील देश में मानव संसाधन, कौशल और तकनीक की कोई कमी नहीं है। वहीं कुवैत जैसे अरब देशों में पैसे की तो कोई कमी नहीं है, लेकिन इन देशों में श्रमिकों की कमी है, जिसे पूरा करने का काम भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और कुछ अफ्रीकी देश करते हैं। पीएम अपनी यात्रा के दौरान एक श्रमिक शिविर में भी पहुंचे, जहां 90 फीसदी कामगार भारतीय थे। कुवैत की आबादी में 10 लाख भारतीय हैं। कुवैत की कुल आबादी में भारतीयों की 21 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं कामगारों में 30 फीसदी भारतीय हैं, जिससे यहां रहने वाले भारतीय हर साल लगभग 4.7 अरब डॉलर भारत भेजते हैं। भारत की ईंधन जरूरतें पश्चिम एशिया के देश पूरी करते हैं और पश्चिम एशिया में भारतीय कामगारों की बड़ी आबादी निवास करती है। अब चाहें वो कामगार श्रमिक हों या आईटी, मेडिकल, टेक्नोलॉजी और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले लोग हों। कुवैत के साथ भारत के रिश्ते कैसे हैं, इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों देशों के बीच 2023–24 में 10.47 अरब डॉलर का कारोबार हुआ। इस कारोबार में तेल और ऊर्जा उत्पाद का बड़ा हिस्सा है। कुवैत भारत को तेल आपूर्ति करने वाला छठा सबसे बड़ा तेल देश है। बहरहाल भारत ने अपने दोतरफा रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी में बदलने का काम किया है, जिसमें एक तरफ हम उनसे कच्चा तेल ले रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ भारत के कामगार वहां काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत के प्रधानमंत्री की 43 साल बाद कुवैत यात्रा के कई सकारात्मक मायने निकाले जा रहे हैं। अगर इन मायनों का कुछ बनता है तो भारत के खाड़ी देशों से रिश्ते और मजबूत हो जाएंगे, जो कि भारत की बड़ी रणनीतिक जीत साबित होगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

क्रिसमस

नई दिल्ली में सांता क्लॉज़ की पोशाक पहने स्कूली बच्चे मंगलवार को एक स्कूल में क्रिसमस मनाते हुए तस्वीर खिंचवाते हुए।

तेज याददाश्त और दिलकश मुस्कान के धनी थे श्याम बेनेगल : प्रीति सागर

मुंबई/भाषा। मशहूर फिल्मकार श्याम बेनेगल ने गायिका प्रीति सागर से अपनी आखिरी मुलाकात में उनसे 'मंथन' के लोकप्रिय गाने 'मेरो गाम काथा पारे...' की कुछ पंक्तियां गुनगुनाने का अनुरोध किया था। 1983 में

प्रदर्शित बेनेगल की 'मंथन' इस साल मई में आयोजित कान फिल्म समारोह में दिखाई गई थी। बेनेगल (90) का सोमवार शाम को मुंबई के वॉकहार्ट अस्पताल निधन हो गया। वह गुर्दे की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। सागर ने बेनेगल की कई फिल्मों के लिए यादगार गीत गाए थे, जिनमें 'निशांत, मंथन, भूमिका, कलयुग' और 'मंडी' शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बेनेगल अपने जीवन के आखिरी महीनों में काफी कमजोर हो गए थे, लेकिन उनकी याददाश्त तब भी बहुत तेज थी। 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में सागर ने कहा, मैं 'मंथन' की दोबारा रिलीज के सिलसिले में इरोज में उनसे मिली थी। इससे पहले मैं उनके दफ्तर गई थी, जहां उन्होंने कहा था, मैं 'मंथन' के गाने की दो पंक्तियां फिर से सुनना चाहता हूं। मैंने चंद पंक्तियां गुनगुनाईं, जिससे वह काफी खुश हुए। आखिरी समय में वह बहुत कमजोर हो गए थे। हालांकि, उनकी याददाश्त पहले जैसे ही तेज थी और उनकी चिरपरिचित दिलकश मुस्कान भी बरकरार थी।

उपभोक्ता दिवस

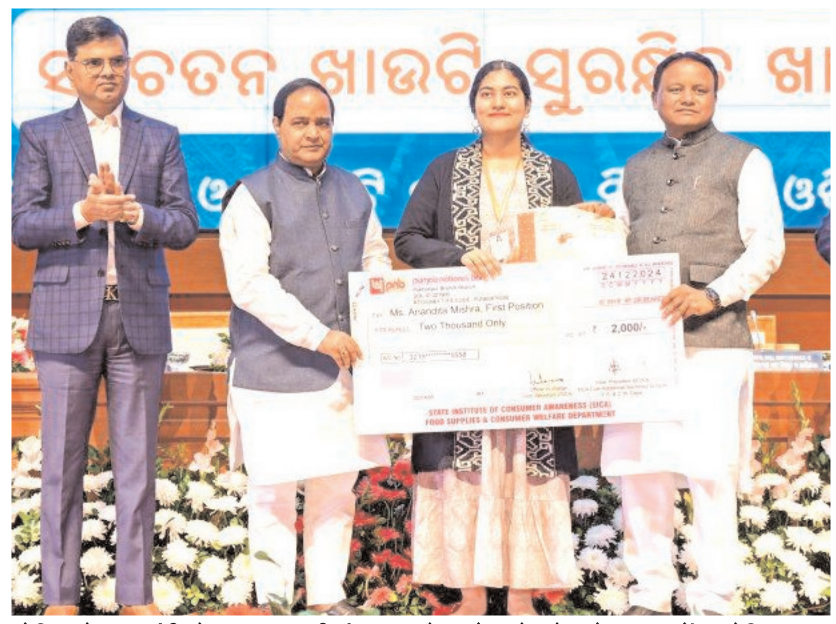

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी मंगलवार को भुवनेश्वर के लोक सेवा भवन में आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस-2024 कार्यक्रम में शामिल हुए।

वाजपेयी जन्मशती: कवि-राजनेता जिनके ओजस्वी शब्दों में था जादू

नई दिल्ली/भाषा। करिश्माई नेता अटल बिहारी वाजपेयी की बुधवार को 100वीं जयंती है। राजनीति में वाजपेयी की कुशलता किसी से छिपी नहीं लेकिन शायद जिस बात ने उन्हें अपने साथी राजनेताओं और आम आदमी के बीच अधिक लोकप्रिय बनाया, वह था उनका काव्यात्मक पक्ष जो अक्सर उनके जोशीले भाषणों में झलकता था।

पूर्व प्रधानमंत्री ने संसद में बोलते समय अपने वाक कला और चुटीली टिप्पणियों के कारण विपक्ष के सदस्यों से भी प्रशंसा प्राप्त की तथा काव्य से भरपूर उनके सार्वजनिक भाषणों ने भीड़ की भी जमकर तालियां बटोरीं।

वाजपेयी का 93 साल की उम्र में लंबी बीमारी के बाद 16 अगस्त 2018 को निधन हो गया था। वाजपेयी ने वास्तव में अपनी

कविता 'अपने मन से कुछ बोलें' में मानव शरीर की भंगुरता को रेखांकित किया था। इसके एक छंद में उन्होंने लिखा था-- 'पृथ्वी लाखों वर्ष पुरानी, जीवन एक अनंत कहानी; पर तन की अपनी सीमाएं; यद्यपि सौ शरदों की वाणी, इतना काफी है अंतिम दस्तक पर खुद दरवाजा खोलें'। उन्होंने एक बार अपने भाषण में यह भी कहा था कि 'मनुष्य सौ साल जिए ये आशीर्वाद है, लेकिन तन की सीमा है।

ग्वालियर में 25 दिसंबर 1924 को जन्मे भारत रत्न से सम्मानित वाजपेयी अंग्रेजी में निपुण थे। हालांकि, संसद के अंदर या बाहर जब भी वह हिंदी में बोलते थे, उनकी तीखी टिप्पणियों के साथ-साथ समयानुकूल व्यंग्य भी उनके वाक कौशल को चार चांद लगाता था।

एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में उन्होंने संदेश को स्पष्ट करने के लिए सावधानीपूर्वक शब्दों का चयन किया तथा अपने व्यंग्य में भी गरिमामयी अंदाज बनाए रखा। वाजयेपी अपने भाषणों में शब्दों का चयन इतनी कुशलता से करते कि उन्हें सुनने के लिए लोग लालायित रहते और उन्हें 'शब्दों का जादूगर' जैसी उपाधियां देते।

अनिल कपूर के जन्मदिन पर फैंस को दिया 'सूबेदार' के फर्स्ट लुक का तोहफा

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने आज अनिल कपूर के जन्मदिन पर फैंस को उनकी आने वाली फिल्म 'सूबेदार' के फर्स्ट लुक का तोहफा दिया है। प्राइम वीडियो ने ओपनिंग इमेज फिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के साथ मिलकर फिल्म सूबेदार की पहली झलक पेश की है। इस फिल्म में सूबेदार अर्जुन मौर्य की कहानी है,जो अब आम जिंदगी की मुश्किलों से जूझ रहे हैं। इसमें अनिल कपूर का दमदार रोल है और राधिका मदान उनकी बेटी बनी हैं। सूबेदार का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फर्स्ट लुक की शुरुआत दमदार विजुअल्स के साथ होती है, जिसमें बैकग्राउंड में बजता सूबेदार का जोश भर देने वाला थीम ट्रैक है। अनिल कपूर की दमदार मौजूदगी थ्रिलिंग लगती है, जहां वह एक सख्त और जोशीले किरदार को पूरे परफेक्शन के साथ निभाते हैं। वीडियो में बढ़ता हुआ तनाव उनकी हाई-एनर्जी और दमदार परफॉर्मेंस की झलक दिखाता है।

अनिल कपूर ने कहा,सूबेदार मेरे लिए बेहद खास है! यह सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं है, बल्कि यह हिम्मत, सम्मान, परिवार और जिंदगी में आने वाली चुनौतियों से लड़ने की कहानी है। इस फिल्म के लिए सुरेश से बेहतर कोई निर्देशक नहीं हो सकता था, और इस कहानी में जान फूंकने के लिए विक्रम और उनकी टीम के साथ काम करना भी उतना ही खास है। अपने जन्मदिन पर सूबेदार अर्जुन मौर्या की पहली झलक दिखाना मेरे लिए उन फैंस को तोहफा है, जिन्होंने इन सालों में हमेशा मेरा साथ दिया। ओपनिंग इमेज फिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के बैनर तले बनायी जा रही फिल्म सूबेदार , विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और सुरेश त्रिवेणी निर्मित की जा रह रही है। इसकी दिलचस्प कहानी सुरेश त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर ने लिखी है।

बांग्लादेश : परमाणु ऊर्जा संयंत्र मामले में हसीना के खिलाफ पांच अरब डॉलर के भ्रष्टाचार की जांच शुरू

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में एक भ्रष्टाचार रोधी समिति ने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के गबन के आरोपों के संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के खिलाफ जांच शुरू की है। इस संबंध में मीडिया में खबर प्रकाशित हुई है।

भारतीय कंपनियां बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में शामिल हैं। इसका निर्माण रूस की सरकारी कंपनी रोसतम कर रही है।

रूस द्वारा डिजाइन किया गया पहला बांग्लादेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी), रूपपुर बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 160 किलोमीटर पश्चिम में बनाया जा रहा है। रोसतम ने रूपपुर एनपीपी परियोजना के बारे में मीडिया में आए ''भड़काऊ बयानों'' का खंडन किया है।

'बीडीन्यूज' ने रविवार को अपनी खबर में बताया कि हसीना के साथ उनके बेटे साजिब वाजेद जॉय और उनकी रिश्तेदार एवं ब्रिटेन की वित्त मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक से भी पूछताछ की गई।

खबर में कहा गया है कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के गबन का आरोप है।

इसके अनुसार, यह घटनाक्रम उच्च न्यायालय द्वारा एक नियम जारी करने के दो दिन बाद हुआ है, जिसमें पूछा गया था कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना से हसीना, जॉय और ट्यूलिप द्वारा मलेशियाई बैंक को पांच अरब अमेरिकी डॉलर के कथित हस्तांतरण पर भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) की निष्क्रियता को अवैध क्यों न घोषित किया जाए।

एसीसी दस्तावेजों के अनुसार, रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों को नेशनल डेमोक्रेटिक मूवमेंट (एनडीएम) के अध्यक्ष बॉबी हज्जाज सामने लाए थे।

बातचीत

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के केसरिया में अपनी प्रगति यात्रा के पहुंचने पर एक कार्यक्रम के दौरान बातचीत करते हुए।

सनी लियोनी के नाम से किश्त जारी होने पर महतारी वंदन योजना विवादों में

रायपुर/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी के नाम से छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार की महतारी वंदन योजना की किश्त जारी होने के बाद से यह पूरी योजना लगातार विवादों के घेरे में है। एक्ट्रेस सनी लियोनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर छत्तीसगढ़ में उनकी आइडेंटिटी और नाम का गलत इस्तेमाल कर सरकारी योजना की किश्तें जारी करने का आरोप लगाया है। सनी ने मामले की जांच में पूरी सहयोग करने की बात कही है। गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना का लाभ अपात्र लोग लंबे समय से उठा रहे हैं।

इस आरोप के सार्वजनिक होने के बाद 15 हजार से ज्यादा आवेदनों को निरस्त किया गया है। योजना के तहत पैसा लेने वाले कई अपात्रों से अब रिकवरी भी की जा रही है। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में

महतारी वंदन योजना के तहत एक अनोखा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसमें सनी लियोनी के नाम से बैंक खाता खोलकर योजना का लाभ उठाया जा रहा था।

इस मामले में पुलिस ने वीरेंद्र जोशी नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने अपने आधार कार्ड और बैंक खाते का उपयोग कर सनी लियोनी के नाम से लाभ प्राप्त किया। बस्तर कलेक्टर हरिस एस ने बताया कि इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद हमने तुरंत कार्रवाई करते हुए तहसीलदार और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की एक टीम बनाई, जो तालूर गांव गई और मामले की छानबीन शुरू की। हरिस एस के अनुसार आरोपी वीरेंद्र जोशी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वेदमती जोशी की आईडी का इस्तेमाल कर महतारी वंदन योजना में आवेदन किया और अवैध रूप से सरकार से मिल रहे लाभ को अपने खाते में डाला।

कलेक्टर ने कहा,इस मामले में धोखाधड़ी की पुष्टि हुई है, और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आंगबनबाड़ी कार्यकर्ता वेदमती जोशी को बर्खास्त कर दिया गया तथा परियोजना अधिकारी सुज्योति मथरानी एवं आंगनबाड़ी प्रर्वेयक प्रभा नेताम को निलंबित कर दिया गया जबकि तत्कालीन जिला कार्यालयीन अधिकारी को नोटिस जारी किया गया।

अभिनेता वरुण धवन और वामिका गब्बी मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुँचते ही फोटो के लिए पोज़ देते हुए।

'पाताल लोक' का दूसरा सीजन 17 जनवरी को रिलीज होगा

मुंबई/एजेन्सी

क्राइम-थ्रिलर सीरीज 'पाताल लोक' का दूसरा सीजन 17 जनवरी को ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है। जयदीप अहलावत, इश्वाक सिंह और गुल पनाग स्टारर सीरीज भारतीय समाज के अंधेरे पक्ष को गहराई से दिखाती है। शानदार सितारों से सजी सीरीज का पहला सीजन मनोरंजक कहानी के साथ दर्शकों पर जादू चलाने में कामयाब रहा था।

नया सीजन भी इस मामले में कम नहीं है। इस बार सीरीज में तिलोत्तमा शोम, नागेश कुकुनूर और जाह्नु बरुआ जैसे सितारों की एंट्री हुई है। सीरीज के निर्माता सुदीप शर्मा ने कहा, मैं प्राइम वीडियो के साथ लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को जारी रखते हुए और 'पाताल लोक' के बहुप्रतीक्षित दूसरे सीजन को पेश करते हुए रोमांचित हूं, एक ऐसी सीरीज जिसे दर्शकों ने खूब सराहा और जिसने मनोरंजन को फिर से परिभाषित किया है। पहले सीजन को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने मुझे काफी उत्सुक कर दिया है।

उन्होंने आगे बताया, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने अनूठी कहानी को जीवंत करने के लिए एक आदर्श माध्यम के रूप में भी काम किया, जिसने हमारी टीम को एक मंच प्रदान किया। एक असाधारण टीम के साथ काम करना शानदार रहा। हमने इस ड्रामा को क्राइम और सस्पेंस के साथ नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। शो का निर्देशन अविनाश अरूण धावरे ने किया है।

प्राइम वीडियो इंडिया ऑरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, पाताल लोक' ने मनोरंजक कहानी, शानदार किरदारों और सामाजिक सच्चाई के साथ दर्शकों पर प्रभाव डाला। प्राइम वीडियो में हम अपने शो में हमेशा दो आवश्यक पहलुओं को प्राथमिकता देते हैं।

पहला है हमारे द्वारा बताई गई कहानियों की एकदम अलग हटकर प्रकृति और दूसरा उन कहानियों को हमारे दर्शकों तक पहुंचाने के लिए सही समय की पहचान करना। उन्होंने कहा, सुदीप, अविनाश और इस शानदार सीरीज के पीछे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ एक बार फिर से काम करना और नई कहानी को दर्शकों के सामने लाने के लिए हम उत्साहित हैं।

स्पाई यूनिवर्स में ज़बरदस्त और सशक्त परिवर्तन लाने के लिए तैयार है कियारा आडवाणी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री कियारा आडवाणी स्पाई यूनिवर्स में ज़बरदस्त और सशक्त परिवर्तन लाने के लिए तैयार है। कियारा आडवाणी की वर्ष 2025 में प्रदर्शित होने वाली फिल्म वॉर 2 में मुख्य भूमिका निभाने के साथ स्पाई यूनिवर्स को एक बड़ा बढ़ावा मिलने वाला है। कियारा ने न सिर्फ खुद को वर्सेटाइल और डायनामिक परफ़ॉर्मर के रूप में स्थापित किया है बल्कि इंडस्ट्री में सफलता के लिए अपने खुद के अनूठे रास्ते भी खोजे हैं।

अयान मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर वॉर की महत्वाकांक्षी सीक्वल में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी एक साथ नज़र आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और मनोरंजक ड्रामा देने का वादा करती है, जो कियारा की एक डायनामिक और पावरहाउस कलाकार के रूप में स्थिति को और मजबूत करती है। वह इस स्पाई एक्शन और ड्रामा में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी। फैंस और दर्शक पहले से ही इस बात का अनुमान लगा रहे हैं कि वे इस नए किरदार और जॉनर में अपना यूनिक टच कैसे जोड़ेंगी। वहीं फिल्म अल्फा में आलिया भट्ट के साथ शर्वरी की कास्टिंग स्पाई यूनिवर्स में एक नया और दिलचस्प अंश जोड़ती है। वर्ष 2025 में अल्फा और वॉर 2 से स्पाई यूनिवर्स को एक बड़ा बढ़ावा मिलने वाला है।

मानसिक अवरोधों को तोड़ने में मदद करती है अलग-अलग तरह की भूमिका : भूमिका गुरुंग

रायपुर/एजेन्सी

टीवी अभिनेत्री भूमिका गुरुंग ने अलग-अलग तरह की भूमिका को निभाने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि अलग-अलग तरह की भूमिका मानसिक अवरोधों को तोड़ने और एक कलाकार के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान में 'बस इतना सा ख्वाब' में 'शगुन' की भूमिका निभा रही अभिनेत्री ने बताया कि 'शगुन' की भूमिका उनके व्यक्तिगत विकास को भी दिखाती है। इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया, मुझे एहसास हुआ कि मैं सिर्फ मुख्य भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती। अगर सही तरह से निभाया जाए तो एक किरदार कम से कम स्क्रीन टाइम में भी अलग दिख सकता है। यह मानसिक अवरोधों को तोड़ने और भूमिकाओं में विविधता को अपनाने के बारे में है। गुरुंग ने यह भी खुलासा किया कि शगुन का उनका किरदार पारंपरिक ढांचे से अलग है। शो में उनका किरदार आधुनिक, व्यावहारिक और अपनी पसंद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है और भारतीय टेलीविजन पर अक्सर दिखाए जाने वाले त्याग करने वाली बहू से के किरदार बिल्कुल अलग है। भूमिका ने बताया, शगुन कोई कोमोलिका या खलनायिका नहीं है। उसकी अपनी भावनाएं हैं, वह गलतियां करती है और अपने फैसलों की जिम्मेदारी खुद लेती है। यही बात उसे दूसरों से अलग बनाती है। शो के बारे में बात करते हुए भूमिका ने कहा, हम सभी ने कभी न कभी किसी न किसी चीज का सपना देखा है। सपने हमें परिभाषित करते हैं। यही बात शो के टाइटल को प्रासंगिक बनाता है। यह छोटी-छोटी इच्छाओं और आकांक्षाओं के बारे में है, जो हर किसी के साथ जुड़ती है। भूमिका गुरुंग ने कहा, पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री काफी विकसित हुई है। नए ट्रेंड, कार्य संस्कृति और कहानी कहने की तकनीकों को अपनाना बहुत जरूरी है। इसी तरह आप एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ सकते हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

संगीत की दुनियाँ में एक नया इतिहास, 13 घंटे लगातार संगीत कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां डी.जी. वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में करोएके लाउंज एवं अनन्तारा द्वारा आयोजित 'सौ साल पहले' संगीत समारोह का आयोजन 21 दिसम्बर को हुआ। रफी साहब संगीत की दुनियाँ के फनकार के 100वीं पुण्यतिथि पर यह भव्य आयोजित मैराथन लगातार बिना ब्रेक के 13 घंटे सुबह 10 बजे से शुरू और मध्यरात्रि तक चला। रफी साहब के सबसे छोटी बेटी याश्मीन और दामाद परवेज अहमद की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्ज्वलित में उपस्थित याश्मीन, परवेज अहमद, कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संतोष बाबू, कॉलेज के सेक्रेटरी डॉ. अशोक मूंदड़ा, रजत के अध्यक्ष प्रवीण टाटिया, कार्यक्रम के इंचार्ज गिरी बागड़ी एवं जोशयुला शेखर द्वारा हुआ। मंच पर बैठे सभी का सम्मान किया गया और परवेज ने रफी साहब की यादों का जिक्र किया।

देश के कोने कोने से पधारे देश-विदेश में अपनी पहचान बनाने वाले कई गायक कलाकार एवं समर्पित पेशेवर और गैर पेशेवर चेन्नई से 66 गायक गायिका कलाकारों ने रफी साहब के युगल गीतों का एक से बढ़कर एक गीतों की लगातार प्रस्तुति दी। युगल गीतों में दो गायक होते हैं किंतु कई ऐसे भी गीत पेश किए गए जिसमें तीन से पाँच गायक कलाकार एक साथ में थे। लगातार 140 गानों की प्रस्तुति में कहीं भी ब्रेक नहीं था। कई कलाकार यह अनूठा संगीत समारोह का आयोजन में रफी साहब के बिटिया के सामने प्रस्तुत करके भाववित हो गए। कई कलाकारों का ऐसा पहला मौका था कि उनके परिवार के सामने पेश करें। यह गायक कलाकारों का कुंभ था जिसमें एक दूसरे से पहचान बढ़ी। सुबह से लेकर रात भर तक श्रोता लोग संगीत का लुफ्त उठाने आए। एक से बढ़कर एक युगल गीतों की प्रस्तुति से रफी साहब के सब गानों की यादें ताजा हो गई। सबसे खास बात यह थी कि मेल सिंगर्स कहीं से और फीमेल सिंगर्स किसी और जगह से अपनी प्रस्तुति से पहले प्रैक्टिस लाऊँज मैं अपना तालमेल देख लिया।

रफी साहब की बिटिया और दामाद गिरी बागड़ी के आग्रह पर पधारे और पूरे समय तक इस आयोजन की बहुत प्रशंसा की। इस संगीत समारोह की तैयारी पिछले दो महीने से शुरू हो गई। गानों का चयन गायक कलाकारों की उपस्थिति उन गानों के अच्छे ट्रेक किया गया। यह एक अनूठा संगीत समारोह था, जिसमें पहली बार 66 गायक कलाकार 140 रफी साहब की युगल ट्रिपल क्वाटेट लगातार 13 घंटे तक चलने वाला संगीत मेराथन का आयोजन हुआ।

इस यादगार समारोह को अंजाम देने के लिए जोशयुला शेखर एवं गिरी बागड़ी की कड़ी मेहनत रही वहीं विशेष सहयोग देवरतन डागा, शशिकांत बाँठिया, विनोद कोठारी, नितिन सौगानी, अशोक कोठारी, महेश दम्मानी एवं अनु केशवन का रहा।

लॉयंस क्लुब ऑफ आवडी के क्रिसमस समारोह में दिखा उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लॉयंस क्लब ऑफ आवडी ने कामराज नगर आवडी स्थित डीएस सेल्वम मैट्रिकुलेशन स्कूल में संयुक्त रूप से छात्रों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक क्रिसमस मनाया। इस मौके पर 150 लोगों को किराने का सामान वितरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तमिलनाडु सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एसएम नाजर शामिल हुए। उन्होंने एकता और समानता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा सभी धर्म एक समान हैं और हमें सभी त्यौहारों का आनंद लेने का समान अधिकार है। लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के अध्यक्ष लॉयन के.राहुल बोहरा ने क्रिसमस के महत्व को समझाते हुए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा ईसाई धर्म हमें सिखाता है कि प्रार्थना हमेशा जीवन जीने की कुंजी है। समारोह में लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के सचिव एलंगोवन, कोषाध्यक्ष शिवकुमार एवं सदस्य रवि, वेंकटचलपति, रामलिंगम, डॉ. राजेश, हमीद, सूर्य प्रकाश, नारायणन, सेंथिलकुमार, शरीफ आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में मंगलवार को श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर)के तत्वावधान में संघ के कार्यालय में वर्ष 2025 के लिए जैन कलेंडर का विमोचन किया गया। संघ के संरक्षक ज्ञानचन्द खारीवाल, अध्यक्ष नेमीचन्द लोढा, उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल, संस्थापक राजेश कुमार गादिया, राजेश कुमार वाणिगोता, राहुल बाफना, विक्रम जैन सहित संघ के कई सदस्य उपस्थित थे। प्रति वर्ष के भांति ही इस साल भी सेवा संघ रंगीन जैन कलेंडर समाज उपयोगार्थ उपस्थित हुआ है। इसे सभी के लिए निःशुल्क रखा गया है। जिसे भी जरूरत हो तो संघ सदस्यों से संपर्क कर प्राप्त कर सकते है।

अब चेन्नई रेल मंडल हिंदी में वार्तालाप करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक विश्वनाथ ईर्या ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राजभाषा की प्रगति की आवश्यकता को समझाया और सांवैधानिक प्रावधानों पर प्रकाश डाला। वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को हासिल करने के साथ-साथ आगे और ले जाने का निदेश दिया। पिछली बैठक के क्रम में जन संपर्क में आनेवाले कर्मचारियों के हिंतार्थ हिंदी वार्तालाप पुस्तिका का विमोचन करते हुए उन्होंने बताया कि यह पुस्तिका स्वयं-शिक्षक जैसा है और आशा है कि अब चेन्नई मंडल के प्रत्येक कर्मचारी जो जन संपर्क में आते हैं हिंदी में वार्तालाप करेंगे।

अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी अंकुर चौहान ने बताया कि हिंदी की प्रगति देश की प्रगति है। हिंदी का प्रयोग प्रतिदिन के काम में करना हमारा कर्तव्य है। सितम्बर महीने के दौरान दो हजार से अधिक कर्मचारी जो प्रतियोगिता में भाग लिए थे और उन्हें भारमुक्त किए सभी का आभार प्रकट किया।

'हमें फिर से प्रयास करना चाहिए' : वाजपेयी की शांति पहल की असफलता पर पंजाब विस अध्यक्ष ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष मलिक अहमद खान से जब अटल बिहारी वाजपेयी की 1999 की 'बस यात्रा' के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, भले ही मौका चूक गए, लेकिन हमें पुनः प्रयास करना चाहिए। यह बस यात्रा तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत-पाकिस्तान संबंधों को शांति के मार्ग पर लाने का एक साहसिक प्रयास था।

वाजपेयी 19 फरवरी, 1999 को बस से लाहौर गए। यहां ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के बाद उन्होंने और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने लाहौर घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते ने सफलता का एक संकेत दिया, लेकिन कुछ ही महीनों बाद पाकिस्तानी घुसपैठ के कारण कारगिल युद्ध शुरू हो गया।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ सदस्य खान ने कहा, 1999 में वाजपेयी की लाहौर यात्रा एक निर्णायक क्षण था। भले ही मौका चूक गए हों, लेकिन हमें फिर से प्रयास करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो वाजपेयी के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हैं, भारत का नेतृत्व कर रहे हैं और नवाज के भाई शहबाज शरीफ पाकिस्तान में प्रभारी (प्रधानमंत्री) हैं, शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की वास्तविक संभावना है। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, क्षेत्र में शांति सिर्फ एक अच्छा विचार भर नहीं है - यह विकास और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

प्रतिभा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट स्थित बादलचन्द सायरचन्द चोरड़िया स्कूल में 23 दिसम्बर को अपनी अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कक्षा एलकेजी से पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों ने किया। छात्र-छात्राओ ने बडे ही सुंदर रूप में किसी ने राजा-महाराजों की वेशभूषा पहनकर किया किसी ने भारत के राष्ट्र चिन्ह स्मारकों, जंगली जानवर, पालतू जानवर, सोशल मीडिया, कवि, दुनिया के सात अजुबे की वेशभूषा में प्रस्तुति दी। वहीं पांचवी कक्षा के छात्र छात्राओं ने प्राचीन उपकरण एवं नवीन उपकरणों की तुलना करते हुए वाद-विवाद किया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि स्कूल के पत्राचारक एस अजय कुमार चोरड़िया, सचिव सुमेरचन्द चोरड़िया थे। स्कूल की प्रधानाध्यापिका मालिनी की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

खाद्य सामग्री वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां वर्धमान साधार्मिक सेवा एवं जीव दया समिति की ओर से 238 वां अनाज व खाद्य सामग्री वितरण का कार्यक्रम 23 दिसम्बर को एएमकेएम मेमोरियल ट्रस्ट परिसर में साध्वीश्री राजमतीजी म. सा. के सान्निध्य में हुआ। इस माह 150 परिवारों को खाद्य सामग्री जिसमें कुल 16 वस्तुएं वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि संस्था संरक्षक विनयचन्द पावेचा पुरुषवाक्कम, महावीरचन्द बोकड़िया और जयप्रकाश रांका अम्बतूर की उपस्थिति में संस्था की अध्यक्ष कमला एस मेहता, मंत्री ललिता सुराणा, कोषाध्यक्ष विमला चोरड़िया एवं सदस्यों द्वारा किया गया। इस अवसर पर संरक्षक सज्जन राज मेहता, सागरमल लोढा, श्रेणिकराज नाहर, डॉ पारस मल तोलावत, हरीश सुराणा आदि उपस्थित थे।

ग़ज़ल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मेरा ख़याल छोड़ दे

मेरा ख़याल छोड़ दे अपना ख़याल कर
हिम्मत अगर जो हो तो मेरा इस्तेमाल कर।

लगता है वक़्त पेड़ बनाने में बीज को
दिखला न मुझको यूं ही कलेजा निकालकर।

उतरा नहीं है कोई भी उम्मीद पे ख़रा
देखा है मैंने दुश्मनों को दिल में पालकर।

सौ बार सोचता हूँ क़दम रक्खूँ या नहीं
करता नहीं मैं फैसला सिक्का उछालकर।

नज़दीक मेरे आई हैं मर्ज़ी से मछलियाँ
बैठा नहीं मैं तट पे कभी जाल डालकर।

कोई किसी का साथ नहीं देता जीस्त में
करना जहां में दोस्ती तू देखभालकर।

बीता हुआ समय नहीं आता है लौटकर
छोड़ा न कर तू एक भी मुद्दे को टालकर।

आने लगेंगी हिचकियाँ हर बात पर तुझे
सुन पाएगा जवाब तो मुझसे सवाल कर।

दिल में किसी भी लफ़्ज़ का होता है इक असर
कहना हो बज़्म में तो कहा कर संभालकर।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा कृष्णदेव रायकला मंदिर में 26वां वार्षिकोत्सव पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। डॉक्टर राजेश्वर शिवाचार्य स्वामीजी एवं मृत्युंजय शिवाचार्य स्वामीजी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाजसेवी सुरेश एस गन्ना, मल्लेश्वरम यातायात मंडल पुलिस निरीक्षक दिनेश पाटील, विल्सन गार्डन यातायात मंडल पुलिस निरीक्षक कात्यायनी आल्वा एवं विविध क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को वेदिके की तरफ से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में कन्नड विषय में श्रेष्ठ अंक हासिल करने वाले 428 विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेंद्र मुणोत, हरि कृष्ण, कृष्णप्पा एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

मानवसेवी कार्य में हमेशा आगे रहता है जैन समाज : डॉ. मंजुनाथ

रामनगर के सरकारी अस्पताल को दिए उपकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की 'नई दिशा' नामक महिला मंडल की ओर से मंगलवार को रामनगर स्थित सरकारी अस्पताल में गरीब जरूरतमंद लोगों को व्हीलचेयर, स्ट्रेचर एवं फल आदि अनेक सामान उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्र के सांसद डॉक्टर मंजुनाथ भी उपस्थित थे। उन्होंने महिला मंडल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सदियों से जैन समाज दान देने व समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है। इस अवसर पर रामनगर के डीसी यशवंत गुरुकर सहित रामनगर के संजय धोका, सुनील लोढ़ा एवं नई दिशा की अध्यक्ष अलका लोढ़ा आदि उपस्थित थे। मंत्री श्रुति नाहर ने सभी को धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.